भोपाल से प्रकाशित
दैनिक द लुक
वर्ष 14, अंक 180 | भोपाल | बुधवार, 04 जून, 2025 | E-paper: thelook.org.in | कुल पेज-08 | मूल्य 1.00 रुपए

भारत के 'कुश' रक्षा कवच से पाकिस्तान-चीन को होगी टेंशन

● इजरायली आयरन डोम और अमेरिकी पैट्रियट पर पड़ेगा भारी ● रूसी एस-400 को भी देगा टक्कर,डीआरडीओ की है तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का एक प्रोजेक्ट है कुश, जिसे विस्तारित रेंज एयर डिफेंस सिस्टम भी कहा जाता है। यह रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की ओर से विकसित भारत का एक स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम है। इसका मकसद एक लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली तैयार करना है जो ड्रोन, विमान और मिसाइल जैसे हवाई खतरों से निपट सके। वैसे तो भारत के पास रूस से मंगाए गए एस-400 डिफेंस सिस्टम भी है, मगर अब जिस तरह से युद्ध लड़े जा रहे हैं, उसमें किसी भी देश को हर वक्त तैयार रहना होगा। दूसरे देशों पर निर्भरता कम करनी होगी। ऐसे में भारत का देसी एस-400 डिफेंस सिस्टम बेहद काम का हो सकता है। रणनीतिक और सामरिक रूप से कमजोर क्षेत्रों को व्यापक हवाई सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए बनाई गई यह प्रणाली 250 किलोमीटर की दूरी पर लड़ाकू आकार के लक्ष्यों और 350 किलोमीटर की दूरी पर बड़े विमानों को मार गिरा सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यह विश्वसनीय क्षेत्रीय हवाई रक्षा में भी सक्षम है।

● **सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें-** प्रोजेक्ट कुश के केंद्र में भारत की अपनी खुद की लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का विकास है, जो रूस के एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम के बराबर है। इजरायल के प्रमुख एयरोस्पेस और एविएशन निर्माताओं, इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के साथ संयुक्त रूप से विकसित, कुश को मई 2022 में सुरक्षा के लिए कैबिनेट समिति द्वारा हरी झंडी दी गई थी। मोबाइल एलआर-एसएएम में लंबी दूरी की निगरानी और अग्नि नियंत्रण रडार के साथ विभिन्न प्रकार की इंटरसेप्टर मिसाइलें होंगी, जो 150 किमी, 250 और 350 किमी की दूरी पर वार करेंगी।

● **2029 तक देश की सीमाओं का बनेगा रखवाला-** भारत का कुश एयर डिफेंस सिस्टम को 2028-2029 तक देश की सीमाओं पर तैनात करने की योजना है। यह दुश्मन के हमलों के साथ-साथ, दुश्मन के लड़ाकू विमान, ड्रोन, क्रूज और बैलेस्टिक मिसाइलों समेत हर हमलों को भी ट्रैक और ध्वस्त कर सकेगा। कुश के तैनात होने के बाद भारत उन महत्वपूर्ण देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जिनके पास अपना लंबी दूरी का एयर डिफेंस सिस्टम है। अभी भारत के पास अपना स्वदेशी वेरी-शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम है। भारत ने 2018 में रूस से एस-400 की डील की थी, इस डील के तहत भारत ने 5 ऐसे एस-400 खरीदे थे।

350 किमी दूर से दुश्मन का लगेगा पता

भारत का यह देसी रक्षा कवच 350 किलोमीटर दूर से दुश्मन की गतिविधियों का पता लगा लेगा और उन्हें नष्ट करने में सक्षम होगा, जो इजराइल के आयरन डोम की तुलना में बेहतर माना जाता है। इसके अलावा, यह सिस्टम लंबी दूरी तक हवाई खतरों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। यह पूरी तरह से भारत में विकसित और निर्मित है, जिससे भारत को एक मजबूत और आत्मनिर्भर वायु रक्षा प्रणाली मिलती है। यह क्रूज़ मिसाइल, ड्रोन, स्टील्थ फाइटर जेट और स्मार्ट बमों जैसे विभिन्न हवाई खतरों से निपट सकता है। प्रोजेक्ट कुश भारत का नया एयर डिफेंस सिस्टम होगा। इसके तहत डीआरडीओ लांग रेंज की सरफेस टू एयर मिसाइल तैयार कर रहा है। यह तीन स्तरीय प्रणाली होगी, जिसकी सबसे कम रेंज 150 किमी होगी, मध्यम रेंज 250 किमी और अधिकतम रेंज 350 किमी होगा। भारत के पास अभी एस-400 एयर सिस्टम है जो रूस से लिया गया है।

पूर्व मंडल अध्यक्ष अतुल चौरसिया भाजपा से निष्कासित, शीतल दुबे फरार

जबलपुर दैनिक द लुक। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा के निर्देशानुसार भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर द्वारा पूर्व मंडल अध्यक्ष अतुल चौरसिया को भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया है।

जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने पत्र जारी कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष अतुल चौरसिया के आपराधिक प्रकरण में लिप्त होने व अपराधिक प्रकरण दर्ज होने से पार्टी की छबि धूमिल हुई है और यह अनुशासन हीनता की दायरे में आता है, इस हेतु संगठन द्वारा अतुल चौरसिया को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया गया है।

अतुल चौरसिया पर आरोप - पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अतुल चौरसिया पर जबलपुर में गंभीर आपराधिक आरोप लगे हैं। उन्हें एक असम की युवती को बंधक बनाकर बलात्कार करने और देह व्यापार में धकेलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मुख्य आरोप- बंधक बनाना और देह व्यापारः पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसे होटल मैनेजमेंट की नौकरी का झांसा देकर जबलपुर बुलाया गया, जहां उसे गढ़ा थाना क्षेत्र के अतिथि होटल में एक साल से अधिक समय तक बंधक बनाकर रखा गया और जबरन देह व्यापार में धकेला गया।

बलात्कार और शारीरिक शोषणः पीड़िता के अनुसार, अतुल चौरसिया और उसके सहयोगी शीतल उर्फ मथुरा दुबे ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया और उसे धमकाया।

पुलिस कार्रवाईः पीड़िता के शिकायत दर्ज कराने के बाद, पुलिस ने अतुल चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका सहयोगी शीतल उर्फ मथुरा दुबे फरार है और उसकी तलाश जारी है।

पार्टी की प्रतिक्रियाः भाजपा के जबलपुर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया कि अतुल चौरसिया वर्तमान में पार्टी के किसी पद पर नहीं हैं, और उनकी प्राथमिक सदस्यता निलंबित करने के लिए बैठक आयोजित की जाएगी।

कौन है दूसरा आरोपी- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मामले में मुख्य आरोपी तो अतुल है लेकिन उसका साथी जिसका नाम शीतल दुबे, जिसे मथुरा दुबे के नाम से भी जाना जाता है, खुद को किन्नर बताता है और इस रैकेट का मुख्य संचालक माना जा रहा है। उसकी भूमिका में लड़कियों की व्यवस्था करना, उन्हें प्रशिक्षण देना, ग्राहकों से सौदे तय करना और रसूखदार लोगों तक लड़कियों को पहुंचाना शामिल था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए नरसिंहपुर, डिंडौरी, मंडला और भोपाल में टीमें भेजी है क्योकिं वर्तमान में शीतल फरार है।

पचमढ़ी में मोहन कैबिनेट की बैठक, विजय शाह नहीं पहुंचे

राजा भभूत सिंह के नाम होगा पचमढ़ी वन्य जीव अभ्यारण्य, हो गया फैसला

भोपाल। मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में हुई मोहन यादव कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया है। पचमढ़ी वन्य जीव अभ्यारण का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर करने का निर्णय लिया गया है। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि राजा भभूत सिंह की कर्म भूमि, जन्म भूमि पर कैबिनेट की हुई है। उन्होंने मक्खियों से अंग्रेजों को भगाने का काम किया। वे नर्मदा अंचल के शिवाजी कहलाते थे। इससे पहले पचमढ़ी के राजभवन में राजा भभूत सिंह की स्मृति एवं जनजातीय समाज के कल्याण को समर्पित कैबिनेट बैठक पचमढ़ी में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के साथ शुरू हुई। कैबिनेट बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह शामिल नहीं हुए हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने के बाद ये लगातार तीसरी कैबिनेट बैठक है, जिसमें शाह नहीं है। बता दें कि विजय शाह के बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनाई गई एसआईटी टीम इस मामले में जांच कर रही है। 5 जून को उज्जैन में वेलनेस समिट का आयोजन किया जाएगा। 9 जून को पीएम मोदी के कार्यकाल के 11 साल पूरे होंगे। इसको लेकर कार्यक्रम किए जाएंगे। राजस्व विभाग में 500 पदों को खत्म कर 1200 पदों का

सृजन करने का फैसला किया गया है। इसमें आईटी के पदों को ज्यादा महत्व दिया जाएगा। जिससे कि समस्या के तुरंत समाधान हों। राजस्व विभाग में प्रमुख राजस्व आयुक्त और आयुक्त अभिलेख को आपस में मर्ज किया गया है। नया पद कमिश्नर लैंड रिसॉर्स मैनेजमेंट के नाम से होगा। श्रम विभाग में संशोधन को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। जहां महिलाएं सुरक्षित तरीके से रात में काम कर सकती हैं, वहां पर काम कर सकती हैं। इसके लिए नियमों में संशोधन किया जाएगा। किसी का शोषण नहीं हो, इसे ध्यान रखा जाएगा। ठेका श्रमिक नियमों में भी बदलाव किया जाएगा। लेबर एक्ट में संशोधन को मंजूरी दी गई है। इंदौर आईआईटी में एग्रो आईआईटी हब बनाने का फैसला किया गया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने इसके लिए प्रस्ताव कैबिनेट में दिया। इसके माध्यम से कृषि तकनीक में बढ़ावा देने का काम होगा। कृषि क्षेत्र के नौजवान इसके माध्यम से स्टार्टअप शुरू कर सकेंगे।

भोपाल में लगा एमपी का पहला ओपन 'ऑक्सीजन स्टेशन'

● लोगों को मिल सकेगी फ्री एंट्री,घर पर भी उगाया जा सकेगा मिनी जंगल

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर राजधानी भोपाल के डीबी मॉल में मध्यप्रदेश का पहला ओपन ऑक्सीजन स्टेशन बनाया गया है। यह स्टेशन आम लोगों के लिए फ्री है। इसे 'जंगल वास' संस्था ने तैयार किया है। इसकी खास बात ये है कि इस तरह का ऑक्सीजन स्टेशन कोई भी व्यक्ति अपने घर की छत, बालकनी, पेंटहाउस, कैफे या ऑफिस में तैयार कर सकता है। भोपाल के डीबी मॉल में लगा यह ऑक्सीजन स्टेशन 1 जून से 5 जून तक दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। इसका मकसद है कि लोग देख सकें कि कैसे छोटे स्तर पर भी पर्यावरण के लिए बड़ा योगदान दिया जा सकता है। भोपाल की पर्यावरणविद् और जंगल वास की संस्थापक साक्षी भारद्वाज ने बताया कि ऑक्सीजन स्टेशन एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र है, जो बायोडायवर्सिटी और सस्टनेबिलिटी को बढ़ावा देता है। इसमें कम्पोस्ट (एक प्रकार का जैविक खाद है, जो पत्तियों, रसोई का कचरा आदि के अपघटन से बनता है) जैसे प्राकृतिक और टिकाऊ मटेरियल का उपयोग किया गया है।

119 किमी सुरंग और दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल

● कटरा श्रीनगर वंदे भारत की कई खासियतें,पीएम करेंगे रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले और फिर ऑपरेशन सिंदूर के चलते वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत टल गई थी। इस ट्रेन को कटरा से श्रीनगर और बारामूला तक चलाया जाना है। इसके माध्यम से पहली बार कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ा जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी पहले इस ट्रेन को 19 अप्रैल को ही हरी झंडी दिखाने वाले थे। फिर खराब मौसम के चलते उनका कार्यक्रम टल गया था। इसके बाद फिर 22 अप्रैल को पहलगाम में

आतंकवादी हमला हो गया और ऑपरेशन सिंदूर भारत ने लॉन्च किया था। इसके चलते ट्रेन का संचालन टलता ही चला गया। अब सूत्रों के हवाले से खबर है कि 6 जून को पीएम मोदी इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का जाना भारत के लिहाज से एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा कश्मीर जैसे अशांत और आतंकवाद प्रभावित क्षेत्र के लिहाज से भी यह अहम है। 42,930 करोड़ रुपये की यह महत्वाकांक्षी परियोजना जम्मू-कश्मीर के साथ शेष भारत से जुड़ाव के लिहाज से बेहद अहम है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर जिस तरह टूरिज्म आधारित इकॉनमी है, उसे भी इससे मदद मिलेगी। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार लगातार दोहराती रही है कि हम जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने के लिए तत्पर हैं। बीते महीने रेलवे ने एक स्पेशल ट्रेन का संचालन कटरा से काजीगुंड के बीच किया था।

एक हजार जनरल टिकट के लिए एक खिड़की, छूट रही यात्रियों की ट्रेन

अतिरिक्त खिड़की की मांग सालों पुरानी

भोपाल, नप्र। पश्चिम मध्य रेल भोपाल द्वारा हाल में ही जारी बयान में संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन को राजधानी भोपाल का तीसरा सबसे बड़ा एवं सर्वसुविधायुक्त स्टेशन बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी तो विस्तार से दी गई लेकिन वर्तमान यात्रियों को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उनके निदान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है।

एक हजार यात्री, एक विंडो: राजधानी भोपाल से स्टार्ट होकर जो ट्रेन रतलाम, उज्जैन, दाहोद के अलावा जयपुर व अजमेर आदि शहरों को जाती हैं, उनमें सवार होने वाले यात्रियों के लिए संत हिरदाराम नगर सुलभ स्टेशन है वह इसलिए क्योंकि न्यू मार्केट से लेकर नए भोपाल, कोलार, कोहेफिज़ा, ईदगाह हिल्स लालघाटी से लेकर सीहोर के अनेक यात्री संत हिरदाराम नगर आकर इन ट्रेनों में सवार होते हैं, जिनके पर रिजर्वेशन टिकट है, उनके लिए तो काई परेशानी नहीं लेकिन जो जनरल टिकट लेकर यात्रा करते हैं, उन्हें मात्र एक विंडों के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि प्रतिदिन 1000 से अधिक जनरल टिकट जारी हो रहे हैं।

एक कर्मचारी पर अनेक दायित्व

इधर इस प्रतिनिधि ने स्टेशन पर जाकर पाया कि स्टेशन पर जनरल टिकट के लिए जो एक विंडो है, वहां तैनात कर्मचारी का काम केवल टिकट वितरण ही नहीं है बल्कि, उनके समक्ष माइक भी रखा था, जो ट्रेनों के कोच गाइडेंस का काम भी कर रहा था जब ट्रेन की लाइन हो जाती है, उसी समय विंडो पर जनरल टिकट लेने वालों की कतार लग जाती है, ऐसे में कर्मचारी को कभी कभी टिकट जारी करने का काम रोक कर ट्रेन कोच गाइडेंस का अनाउंसमेंट भी करना होता है, ऐसे में विंडो के बाहर खड़े यात्री चिल्लाने लगते हैं कि टिकट जल्दी हो।

दो विंडो जरूरी: एक तरफतो 25 करोड़ की लाग से स्टेशन का कायाकल्प हो रहा है, जिसका भूमि पूजन आन लाइन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6 अगस्त 2023 को दिल्ली से किया था और संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं विधायक रामेश्वर शर्मा मौजूद थे, दूसरी तरह भोपाल रेल मण्डल यहां के स्टेशन पर नाकाफी एक विंडो की जगह दूसरी खिड़की से भी जनरल टिकट जारी करने की व्यवस्था नहीं कर रहा है।

दो मिनिट रूकती है, छूट रही ट्रेनें: स्टेशन पर एक ही विंडो होने के कारण कभी कभी तो इतनी लाइन लगती है कि अनेक यात्रियों की या तो ट्रेन छूट जाती है, या वे दौड़कर बिना टिकट के ही यात्रा करने को मजबूर हो जाते हैं। राजधानी से चालू होने के अलावा लम्बी दूरी की जितनी भी ट्रेनें हैं किसी का भी 2 मिनिट से अधिक ठहराव नहीं है, ऐसे में अगर यात्री जनरल टिकट के लिए लाइन में लगा रहे तो या तो उसकी ट्रेन छूट जाती है, या दूसरा विकल्प बिना टिकट होता है।

छोटे शहरों के लिए फ्लाइट हेतु अपेक्षित संख्या में नहीं मिल रहे यात्री

सतना नहीं हुआ एक भी पेंसेजर रवाना, केंसिल की उड़ान

भोपाल, नप्र। जब जबलपुर, प्रयागराज एवं अमदाबाद जैसे शहरों के लिए ही फ्लाइट मुश्किल से साल में एक दो बार ही फुल जाती है शेष दिन आधे से भी खाली रहती है, तब भला ऐसे में दतिया या सतना जैसे छोटे शहरों के लिए यात्री कैसे अपेक्षित संख्या में मिल सकते हैं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 मई शनिवार को भोपाल में आयोजित विशाल महिला सम्मेलन के दौरान वर्चुअल सिस्टम से सतना एवं दतिया एयरपोर्ट का लोकार्पण किया लेकिन जब इन शहरों के लिए ओला बिग ने छोटा प्लेन चलाना चाहा, तक कोई रिस्पांस नहीं मिला। सोमवार को फ्लाय ओला का 19 सीटर प्लेन सतना रवाना होने के लिए समय से पहले ही राजा भोज विमान तल पर तैयार खड़ा था, लेकिन काफी प्रतीक्षा के बाद भी इसमें सवार होने के लिए कोई यात्री एयरपोर्ट नहीं पहुंचा।

नहीं हो सका टेकआफ

फ्लाय ओला के इस 19 सीटर प्लेन को सुबह 10 बजे उड़ान भरनी थी और 11.40 बजे सतना पहुंचना था। इसके लिए किराया 3500 रूपए निर्धारित किया गया था। यह छोटा सा विमान सतना रवाना होने के एक घंटे पहले ही एयरपोर्ट पर आ गया था लेकिन निर्धारित समय 10 बजने के बाद भी जक इसमें सवार होने के लिए कोई यात्रा नहीं पहुंचा तब इसे रद्द करना पड़ा। शेडयूल के अनुसार सोमवार को सतना के बाद सुबह 11.55 बजे उड़ान भरकर दोपहर 01 बजे सिंगरोली पहुंचना था जबकि सिंगरोली से 01.15 बजे टेकआफ करते हुए दोपहर 2.25 बजे वापस सतना लौटना था। सतना से 2.50 बजे उड़ान भरकर 4.50 बजे भोपाल लैण्ड करना था। यहां बता दें कि फ्लाय ओला की यह फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन सोमवार, मंगलवार एवं गुरूवार संचालित करने का निर्णय लिया गया है। लेकिन पहले दिन ही कम्पनी को निराशा हाथ लगी। अब आगे क्या निर्णय लिया जाए, यह परिस्थितियों को देखते हुए तय किया जाएगा। वैसे भोपाल से सतना के लिए सोमवार को इस उड़ान को रद्द किया गया जबकि शेष शहरों के लिए उसने जरूर उड़ान भरी।

खजुराहो व दतिया पर भी संशय

भोपाल से सतना के लिए मिली निराशा के बाद 31 मार्च को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दतिया एयरपोर्ट का भी भोपाल से वर्चुअल लोकार्पण करने के बाद वहां के लिए भी फ्लाय बिग अथवा फ्लाय ओला ने उड़ान भरने का निर्णय लिया था जिसके जारी शेड्यूल के अनुसार भोपाल से दोपहर एक बजे उड़ान भरेगी जो दोपहर 2.10 बजे दतिया लैण्ड करेगी। दतिया से 2.25 बजे टेकआफ कर 3.15 बजे खजुराहो लैण्ड करेगी जबकि खजुराहो से दोपहर 3.40 बजे उड़कर 4.20 बजे दतिया पहुंचेगी। दतिया से शाम 4.45 बजे उड़ान भरेगी और शाम 5.55 बजे भोपाल लैण्ड करेगी। जहां भोपाल से दतिया के बीच का फासला 1.10 घंटे में तय करेगी वहीं खजुराहो केवल 40 मिनिट में पहुंच जाएगी। यहां बता दें कि फ्लाय बिग और फ्लाय ओला का यह 19 सीटर प्लेन होगा। खजुराहो एवं दतिया के लिए सप्ताह में चार दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार एवं गुरूवार को सेवाएं रहेंगी।

जबलपुर की हालत भी पतली

इधर एक अप्रैल से भोपाल से जबलपुर फ्लाइट प्रारंभ करने वाली इंडिगो को भी काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इस रूट पर कम्पनी ने 69 एवं 72 सीटर वाला एयरक्राफ्ट संचालित किया है लेकिन इसे भी पर्याप्त संख्या में यात्री नहीं मिल पा रहे हैं। हालत इतनी खराब है कि कभी कभी 8 और 10 यात्रियों से ही संतोष करना पड़ रहा है, ऐसे में अगर भोपाल जबलपुर फ्लाइट बंद हो जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

इनका कहना है

लोगों में धीरे धीरे जागरूकता आएगी। सोमवार को पहला दिन था इस कारण अधिकांश को इसकी जानकारी भी नहीं थी। आने वाले दिनों में यात्री मिलने की संभावना है।

रामजी अवस्थी, एयरपोर्ट डायरेक्टर

सेवा भावना से रक्तदान शिविर में 33 यूनिट ब्लड हुआ डोनेट

सालभर तक हासिल कर सकेंगे दान देने वाले रक्त

भोपाल, नप्र। हालांकि संत हिरदाराम नगर स्थित सरकारी सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं आम जनता की मंशा के अनुरूप तो नहीं हैं, लेकिन कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में दम न तोड़ दे, इसके लिए रक्तदान शिविर लगाकर अस्पताल प्रबंधन ने सराहनीय कार्य किया। संत हिरदाराम नगर की सिविल अस्पताल का दर्जा मिले तीन दशक से अधिक समय हो चुका है लेकिन रक्तदान जैसे शिविर कम ही लगते हैं लगभग एक दशक बाद इस तरह का शिविर सोमवार को लगाया गया जिसमें काफी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। जिन लोगों ने रक्तदान किया उन्हें बाकायदा कार्ड बनाकर दिए गए, ताकि जरूरत पड़ने पर एक साल के भीतर वे हमीदिया अस्पताल के ब्लड बैंक से आवश्यकता पड़ने पर रक्त प्राप्त कर सकते हैं। अस्पताल अधीक्षक डा.जेके जैन ने बताया कि रक्तदान शिविर रोगी कल्याण समिति के सदस्या बसंत चेलानी एवं हरीश मूलानी के सहयोग से आयोजित किया गया। इसमें रक्तदान करने वालों को रक्तदान करने से जो फायदे हैं उसकी जानकारी भी प्रदान की गई। संकट क समय रक्त की सख्त जरूरत होती है, जबकि रक्त के अभाव में अनेक मरीजों को जान तक गंवानी पड़ जाती है लेकिन इस तरह के शिविरों में किस किस ग्रुप का कितना रक्त दान हुआ और उसका सद्‍पयोग किस तरह से किया जा सकता है, उसकी जानकारी भी मौजूद लोगों को दी गई। इस दौरान 32 यूनिट ब्लड जमा किया गया। शिविर में डा. आशीष पटेल, डा. विटरेन्द्र माहोर सहित अनेक ने सेवाएं दी।

सरल संयोजन पोर्टल से घर बैठे मिल रहे नवीन बिजली कनेक्शन

भोपाल। अब आपके परिसर में बिजली का नवीन कनेक्शन लेना हुआ और भी आसान और सुविधाजनक। नवीन बिजली कनेक्शन के लिए अब आपको किसी भी कार्यालय जाने और परेशान होने की जरूरत नहीं है। अब आपको नवीन बिजली कनेक्शन के लिए केवल ऑनलाइन माध्यम से एक आवेदन करना है और ऑनलाइन ही जरूरी दस्तावेज अपलोड कर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते ही तय समय-सीमा में आपको बिजली कंपनी द्वारा कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जाएगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से घर बैठे ही उपभोक्ताओं को नवीन बिजली कनेक्शन बहुत ही कम समय में उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इस सुविधा से एक ओर जहॉं उपभोक्ताओं को आसानी से बिजली कनेक्शन मिल रहे हैं वहीं दूसरी ओर इस ऑनलाइन प्रक्रिया से उपभोक्ताओं और बिजली कंपनी के समय और संसाधनों की भी बचत हो रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ताओं को नवीन विद्युत कनेक्शन प्रदान किये जाने के लिये कंपनी की अत्यंत पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल https://saralsanyojan.mpcz.in:/fetch_samagra_detail पर उपलब्ध है। इसके माध्यम से कंपनी द्वारा नवीन कनेक्शन बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के जारी किये जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को नवीन कनेक्शन के लिये मात्र दो दस्तावेज क्रमशः आवेदक का पहचान पत्र एवं परिसर के स्वामित्व या अधिवास संबंधी साक्ष्य ऑनलाइन अपलोड करना आवश्यक होता है।

रक्षा राज्य मंत्री ने भोपाल में एनसीसी के विशेष संयुक्त राज्य अनुसंधान एवं विकास सम्मेलनक का उद्घाटन किया

भोपाल, नप्र।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के प्रतिष्ठित संयुक्त राज्य प्रतिनिधि और अतिरिक्त / उप महानिदेशक सम्मेलन का उद्घाठन माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, भोपाल (म0प्र0) में 3 जून को किया। उनके आगमन पर, माननीय मंत्री जी का स्वागत लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, डीजीएनसीसी ने किया, जिन्होंने स्वागत भाषण भी दिया।

इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री, युवा एवं खेल मंत्री, रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा एनसीसी कार्यलय के मामलों को संभालने वाले राज्य विभागों के प्रतिनिध, सभी राज्यों के एनसीसी प्रमुख और डीजीएनसीसी मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन का मुख्य एजेंडा एनसीसी में 3 लाख कैडेटों का विस्तार करना था, जिसके लिए कई राज्यों ने पहले ही अपनी सहमति दे दी है। राज्यों ने इस विस्तार को समर्थन देने के लिए आवश्यक संबंधित प्रशिक्षण अवसंरचना परियोजनाओं की त्वरित मंजूरी और सुविधा का भी आश्वासन दिया। डीजीएनसीसी ने एनसीसी की प्रगति और उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य के विस्तार की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा भी बताई, विशेष रूप से कैडेटों की प्रेरणा और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सभी राज्यों में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रशिक्षण और शिविर अवसंरचना की स्थापना पर जोर दिया। अपने संबोधन में रक्षा राज्य मंत्री ने राष्ट्र निर्माण में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराया, तथा नेतृत्व कौशल विकसित करते हुए अनुशासित, जिम्मेदार और प्रेरित युवाओं को तैयार करने में इसकी प्रभावशीलता पर ध्यान दिलाया।

विस्तार से एनसीसी प्रशिक्षकों के रूप में भूतपूर्व सैनिको (ईएसएम) के लिए रोजगार के अवसर भी खुलते हैं, जिसकी पहल हो चुकी हैं। माननीय रक्षा राज्य मंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान जैसी राष्ट्रीय योजनाओं में एनसीसी की भागीदारी की सराहना की, तथा पारंपरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ समाज कल्याण के लिए कोर की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की जयंती पर कार्यक्रम

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में सोमवार को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की जयंती पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, घुमंतु एवं अर्धद् घुमंतु कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने स्व. बाबूलाल गौर की प्रतिमा पर श्रध्दा सुमन अर्पित किए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि आज का दिन राजनीति के क्षेत्र में सादगी और शुचिता के प्रतीक विनम्र, सहज और सरल व्यक्तित्व के धनी, आदर्श के केन्द्र बाबूजी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री बाबूलाल गौर के आदर्शों पर चलने का संकल्प का दिन है। मैं उनकी ऐसी बेटी हूँ, जिसका मार्गदर्शन उन्होनें पल-पल पर किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार ने किया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने बताया कि महाविद्यालय में श्री बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से राजनीति एवं समाज विज्ञान के विद्यार्थी श्री गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर पीएच.डी. कर सकते हैं। इस अवसर पर गोविन्दपुरा क्षेत्र के विभिन्न पार्षदगण, वरिष्ठ समाजसेवी, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने बाबूजी की प्रतिमा पर श्रध्दा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर नोबल मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल एवं कार्डियक सेंटर भोपाल तथा श्री सॉंई वेलनेस फिट जोन भोपाल द्वारा लगाये गये शिविर में कई लोगो ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण भी कराया। आज ही वरिष्ठ समाजसेवी श्री पच्छ खामरा जी को जनभागीदारी समिति का सदस्य मनोनीत किया गया।

दादाजी धाम मंदिर में गायत्री जन्मोत्सव एवं गंगा दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिन गुरुवार को गायत्री माता जी का जन्मोत्सव एवं गंगा दशहरा पर्व पर प्रातः 10 बजे से गायत्री मां की पूजन, मां गंगा की पूजन के बाद में गायत्री यज्ञ किया जाएगा। आरती के पश्चात भजन कीर्तन किए जाएंगे इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। सोमवार को दादाजी धाम मंदिर में महिलाओं भक्तों द्वारा भजन कीर्तन किए गए।

बीएचईएल यूनियन ने ज्ञापन सौंपा

भोपाल। बीएचईएल भोपाल कि प्रतिनिधि यूनियन ऐबू संबद्ध निफ्टू का एक प्रतिनिधिमंडल बीएचईएल भोपाल के मानव संसाधन प्रमुख संतोष कुमार गुप्ता एवं अपर महाप्रबंधक (एचआर/आईआर) आरिफ सिद्दीकी से मिला एवं ज्ञापन सौपा जिसमें कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से रखा यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष सोनी ने बताया कि हमारे द्वारा प्रबंधन के सामने अतिज्वलंत मुद्दों को रखा है जिसका निराकरण होना अत्यंत आवश्यक है इन मुद्दों में मुख्य रूप से कारपोरेट प्रबंधन द्वारा वर्तमान में बीएचईएल प्रबंधन द्वारा सेवारत कर्मचारी के पत्नी और बच्चों को प्रबंधन आश्रित मानकर कर्मचारी के समान चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है जबकि कर्मचारी के माता पिता जो उन पर पूर्ण आश्रित होते है और उम्र के इस पड़ाव में उन्हे ही ज्यादा चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता होती है बीएचईएल प्रबंधन द्वारा आश्रितों में भेदभाव कर माता पिता को जनरल वार्ड का एंटाइटलमेंट दिया जाता है जो की सरासर गलत है।ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन प्रबंधन से मांग करती है कि शीघ्र इसमे सुधार कर सभी आश्रितों को कर्मचारी के समान सुविधा प्रदान की जाए। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल में ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन संबद्ध निफ्टू की ओर से कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष सोनी,कोषाध्यक्ष विशाल वाणी ,संगठन सचिव राजमल बैरागी,कार्यालय मंत्री योगेश देवस्कर एवं चिकित्सा सलाहकार समिति के सदस्य रमेश कुराड़िया उपस्थित हुये।

व्यापारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर सांसद आलोक शर्मा को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर अब व्यापारी वर्ग मुखर हो गया है। हाल ही में अठवानी परिवार के दो सदस्यों पर हुए जानलेवा हमलों के विरोध में घोड़ा निकास मोबाइल एसोसिएशन ने आज सांसद आलोक शर्मा को ज्ञापन सौंपा और समयबद्ध व निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। 22 मार्च को हनुमानगंज थाना क्षेत्र में मनीष अठवानी पर धारदार हथियार से हमला कर लूट का प्रयास किया गया, जबकि 31 मई को शाहजहांबाद थाना क्षेत्र में राजेश अठवानी पर हमला कर नकदी लूट ली गई और उनके सिर में 9 टांके आए। चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों हमलों में पीड़ित एक ही परिवार से हैं, जिससे सुनियोजित आपराधिक साज़िश की आशंका गहराती है। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद सांसद आलोक शर्मा ने भरोसा दिलाया कि वे स्वयं व्यापारियों के साथ भोपाल पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर मामले की गंभीरता बताएंगे और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने हेतु हर संभव प्रयास करेंगे।ज्ञापन सौंपते समय एसोसिएशन अध्यक्ष देव तिवारी, गुरुनानक टेकरी मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा, व्यापारी सदस्य सोनू खटवानी, प्रकाश अठवानी सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण मौजूद रहे।

स्वस्थ यकृत मिशन के तहत नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज स्क्रीनिंग प्रारंभ

भोपाल। नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग के लिए चलाये जा रहे स्वस्थ लीवर मिशन के पहले दिन 2191 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम में 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की स्क्रीनिंग जा रही है। स्क्रीनिंग में ऊंचाई, वजन, कमर के माप की गणना की जा रही है। फैटी लीवर के संभावित संदिग्ध श्रेणी के मरीजों की जानकारी संधारित की जा रही है। इन लोगों में चिकित्सकीय सलाह पर अन्य जांचों के माध्यम से फैटी लीवर होने की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा। ये अभियान लीवर संबंधी बीमारियों की जागरुकता, प्रारंभिक पहचान, उपचार और रोकथाम के लिए चलाया जा रहा है। मिशन के तहत प्रारम्भिक स्क्रीनिंग में मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा बीएमआई , सीबैक स्कोर एवं कमर का माप लिया जा रहा है। बीएमआई 23 से अधिक होने, महिलाओं में कमर का माप 80 सेमी और पुरुषों में 90 सेमी से अधिक होने पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में जांच के लिए रेफरल किया जा रहा है। अभियान के पहले दिन 1978 व्यक्तियों की बी एम आई स्क्रीनिंग में 565 का बीएमआई अधिक पाया गया। 867 पुरुषों की स्क्रीनिंग में 211 और 1324 महिलाओं में से 407 की कमर का माप निर्धारित मापदंडों से अधिक मिला

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या बनकर उभर रही है जो कि मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसे बीमारियों से संबंधित है। समय पर पहचान कर प्रबंधन और जोखिम कारकों को कम किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जन जागरूकता के लिये निकाली गई रैली

■ अनाधिकृत रूप से तम्बाकू बेचने वाले 27 दुकानदारों पर हुई कार्रवाई

ग्वालियर (निप्र)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर ग्वालियर में जागरूकता के लिये निकाली गई रैली । अनाधिकृत रूप से तम्बाकू बेचने वालों के विरूद्ध हुई चालान की कार्रवाई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर ग्वालियर जिले में शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में तम्बाकू निषेध दिवस पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के दल द्वारा 27 ऐसे दुकानदार जो अनाधिकृत रूप से अस्पताल, शिक्षण संस्थाओं के आसपास तम्बाकू का विक्रय कर रहे थे, उनके विरूद्ध चालान की कार्रवाई कर 3720 रूपए की राशि वसूली गई। तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर मुरार जिला चिकित्सालय परिसर में तम्बाकू का सेवन न करने की शपथ भी दिलाई गई। इसके साथ ही जन जागरूकता के लिये रैली निकाली गई। रैली को किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष श्री राजकुमार दुबे, सिविल सर्जन डॉ. आर के शर्मा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर ने हरी झण्डी दिखाई।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया डीएलएड परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

गुना (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी श्री चंद्रशेखर सिसोदिया ने निरीक्षण दल के साथ डीएलएड परीक्षा केन्द्रों शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुना, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 गुना, शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुना और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैंट गुना का निरीक्षण कर परीक्षा की व्यवस्थाओं को देखा। सभी केन्द्रों पर परीक्षाएं शांतिपूर्ण रूप से संचालित पाई गई। कोई नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। निरीक्षण दल में श्री आसिफ़ खान प्राचार्य एवं श्री योगेश तिवारी डीवीसी सम्मिलित थे ।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जेल में सहविधिक साक्षरता शिविर

श्योपुर (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार व माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री पवन कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में जिला जेल श्योपुर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस सहविधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री योगेश बंसल द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस आयोजित किये जाने के उद्देश्य को वर्णित करते हुये तम्बाकू सेवन से स्वास्थ्य पर होने वाले विपरित प्रभावों के संबंध में बताया गया तथा इसके कारण होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारी पर प्रकाश डालते हुये तम्बाकू, गुटका का सेवन न करने हेतु बंदियों को समझाईश दी गई। साथ ही बंदियों को विधिक सेवा प्राधिकरण 1987 के तहत निःशुल्क विधिक सहायता योजना व बंदियों के विधिक अधिकारों से अवगत कराते हुये जेल में निरूद्ध बंदियों से उनके प्रकरणों में जमानत/अपील हेतु चर्चा की गई व जेल में स्थापित लीगल एडक्लीनिक के बारे में बताया गया। शिविर के दौरान श्री योगेश बंसल, जिला विधिक सहायता अधिकारी, श्री एनएस राणा जेल उपाधीक्षक, श्री माधौ खान डिप्टी चीफ लीगल एडडिफेंस कांउसिल, जेल स्टाफ व बंदीगण उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ को मिला कलेक्टर का अतिरिक्त प्रभार

दतिया (निप्र)। मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन श्री अनुराग जैन ने आदेश जारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया श्री अक्षय कुमार तेम्रवाल का अपने वर्ततान कर्तव्यों के साथ-साथ अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक कलेक्टर दतिया का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने सिंधी कैम्प में 140.37 लाख की लागत से बनने वाली सीसी रोड का किया भूमिपूजन

जबलपुर विकास की दृष्टि से शीघ्र ही एक अलग स्वरूप में दिखेगा- मंत्री श्री सिंह

जबलपुर (निप्र)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज राधाकृष्ण वार्ड स्थित सिंधी कैम्प में चौपाल कर 1.15 किलोमीटर लम्बाई की सिंधी कैम्प से हीरा पहलवान के बिल्डिंग तक एवं लक्ष्मी ट्रेडर्स से दीपक वंशकार के मकान तक तथा प्रेम सागर पुलिस पोस्ट से माखन सोनकर टेंट तक 140.37 लाख की लागत से सीसी रोड का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में जबलपुर की जनता ने 20 साल तक बढ़ते वोटों से उन्हें आशीर्वाद देकर इतिहास रचा है। विधायक के रूप में उन्हें लोक निर्माण मंत्री का दायित्व दिया है, अतः उत्तरदायित्व बन जाता है कि वे लोगों के सुख- दुख में सहभागी बने और जनहित के विकास कार्य करें। इसी भावना से वे जगह-जगह चौपाल कर विकास कार्यों की जानकारी दे रहे हैं और लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि सड़क की गुणवत्ता अच्छी हो, यदि कोई ठेकेदार गड़बड़ी करते हैं तो उन्हें ब्लैक लिस्टेड किया जाये।

जबलपुर विकास की दृष्टि से शीघ्र ही एक अलग स्वरूप में दिखेगा

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि बजट सत्र के दौरान जबलपुर के विकास के लिए 3200 करोड़ स्वीकृत करायें हैं, जिससे हर व्यक्ति के घर के पास विकास की झलक दिखेगी और जबलपुर विकास की दृष्टि से शीघ्र ही एक अलग स्वरूप में दिखेगा। जबलपुर में मध्यप्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओव्हर जिसकी लागत 1100 करोड़ रूपये है अपनी पूर्णता की ओर है। साथ ही रोप वे बनाया जायेगा, जिसमें एक रोप-वे एम्पायर टॉकिज से सदर, छोटी लाईन होते हुए गौरीघाट व गौरीघाट के उस पार तक जायेगा जिसकी लागत 750 करोड़ होगी, दूसरा रोप-वे जिसकी लागत 350 करोड़ रूपये है, सिविक सेंटर, अंधेरदेव, दमोहनाका होते हुए अधारताल तक बनेगा। है। इसके साथ ही उन्होंने कई विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 380 करोड़ की लागत से शीघ्र ही एक फ्लाईओव्हर छोटी लाईन फाटक से साई मंदिर तक बनेगा, जिसका एक रेम्प रामपुर छापर तथा दूसरा रेम्प हवाबाग कॉलेज की ओर होगा।

फ्लाईओव्हर के संबंध में उन्होंने कहा कि सगड़ा में भी एक फ्लाईओव्हर बनेगा तथा संजीवनी नगर से विजय नगर स्थित जीरो डिग्री के बीच 190 करोड़ की लागत से भी एक फ्लाई ओव्हर बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम की सड़कों को भी व्यवस्थित रूप प्रदान किया जायेगा। नर्मदा तट को सरयु के तट की तर्ज पर विकसित किया जायेगा और जबलपुर का रिंग रोड आने वाले समय में समृद्धि का नया मार्ग प्रशस्त करेगी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है और विकास से समृद्धि की झलक आती है उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जबलपुर में विकास का एक नया परिदृश्य दिखाई देगा। कार्यक्रम के दौरान श्री नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकुंज विज, भाजपा के नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, श्री अभय सिंह ठाकुर सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम के पश्चात मंत्री श्री सिंह ने शोक संतृप्त परिवारों से भी भेंट कर उनके दुख में सहभागी हुए।

संभागीय दल कर रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों का निरीक्षण

रीवा (निप्र)। संभाग के सभी जिलों में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। कमिश्नर बीएस जामोद ने अभियान के तहत किये जा रहे कार्यों और निर्माण कार्यों की निगरानी के लिए 6 संभाग स्तरीय अधिकारियों के दल तैनात किये हैं। इन दलों द्वारा भ्रमण करके जल गंगा संवर्धन अभियान का जायजा लिया जा रहा है। गत दिवस संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा, परिवहन अधिकारी मनीष त्रिपाठी एवं आपूर्ति नियंत्रक ने सतना जिले के रामपुर बघेलान विकासखण्ड एवं मैहर जिले के अमरपाटन विकासखण्ड में जल संरक्षण कार्यों का जायजा लिया। दल ने खेत तालाब निर्माण तथा कुंए में रिचार्ज पिट निर्माण का अवलोकन किया। इस दल का नेतृत्व चीफ इंजीनियर लोक निर्माण विभाग संजय खाण्डे ने किया। अधीक्षण यंत्री पीएचई तथा अन्य अधिकारियों ने रीवा जिले के सिरमौर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बरा में चेकडैम निर्माण एवं बोरीबंधान का निरीक्षण किया। इसी दल ने सीधी जिले के मझौली विकासखण्ड के ग्राम दादर में हितग्राही सुदामा साहू के द्वारा बनाये जा रहे खेत तालाब एवं कुंए में रिचार्ज पिट का भी निरीक्षण किया गया। इसी गांव में रामचन्द्र साहू द्वारा बनाये जा रहे खेत तालाब का निरीक्षण किया गया। ग्राम दादर में गतवर्ष चेकडैम का निर्माण कराया गया था। उसमें अभी भी पर्याप्त पानी उपलब्ध है। जो आमजनता के निस्तार और पशुओं के पीने के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में हो रहा जल संरचनाओं का निर्माण

रीवा (निप्र)। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पानी को सहेजने के लिए जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि अभियान के तहत मऊगंज जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत सरैहा में खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है। यहां गत दिवस जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री, गांव के सरपंच तथा स्वसहायता समूह की महिलाओं ने मिलकर जल संरक्षण के लिए रैली निकाली। कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा ने त्योंथर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत घटेहा में चल रहे अमृत सरोवर और खेत तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने तालाबों के निर्माण के संबंध में उपयांत्रियों को निर्देश दिये। अभियान के तहत कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने रीवा विकासखण्ड के ग्राम भटलों में नल जल योजना की पाइप लाइन लिकेज में सुधार कराकर पानी की आपूर्ति अनुसूचित जाति बस्ती में शुरू करायी।

औद्योगिक निवेश, आधारभूत संरचना और कनेक्टिविटी से क्षेत्र में तीव्र विकास की संभावनाएं: कलेक्टर

गुना (निप्र)। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने आज अशोकनगर रोड क्षेत्र में प्रस्तावित विकास कार्यों का स्थल पर निरीक्षण किया। उन्होंने पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप बनाए जा रहे ओवर ब्रिज स्थल पर पहुँचकर निर्माण की प्रगति का जायज़ा लिया। उल्लेखनीय है कि उक्त ओवर ब्रिज के निर्माण से अशोकनगर रोड पर यातायात का दबाव कम होगा, नागरिकों को समय की बचत होगी तथा स्पाइस पार्क हेतु आवागमन करने वाले वाणिज्यिक वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी। इसके उपरांत कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा मावन-टोरिया फाटक पर प्रस्तावित ओवर ब्रिज की योजना की जानकारी भी ली गई। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रस्तावित योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण रूप से पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा अशोकनगर रोड क्षेत्र में योजनाबद्ध विकास की प्रक्रिया तीव्र गति से संचालित है। शीघ्र ही दो फ्लाईओवर परियोजनाओं पर कार्य आरंभ होगा, वहीं रिंग रोड का प्रस्ताव भी इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नया आयाम देगा। उन्होंने आश्वस्त किया आगामी दो से तीन वर्षो में यह क्षेत्र गुना जिले का एक प्रमुख औद्योगिक एवं आवासीय केंद्र के रूप में स्थापित होगा। इसी क्रम में कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा स्पाइस बोर्ड के सहायक संचालक श्री आशीष जायसवाल एवं विभिन्न निवेशकों के साथ बैठक आयोजित कर मसाला उद्योग से संबंधित संभावनाओं, निवेश की प्रक्रिया तथा संचालन में आने वाली चुनौतियों पर गहन चर्चा की गई। इसके बाद कलेक्टर द्वारा केशव मसाले, गोविंद फूड्स, मयंक इंडस्ट्रीज एवं नानक मसाले की मसाला प्रोसेसिंग यूनिट्स एवं कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण किया।

जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत कटाई घाट में की गई साफ-सफाई

कटनी (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शहर की कटनी नदी के कटाई घाट में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जलकुंभी की सफाई अभियान प्रारम्भ करते हुए जल संरक्षण हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया और जल संरक्षण का संकल्प लिया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लिये गये संकल्प अनुसार म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव के निर्देशों के अनुपालन में क्षेत्रीय अधिकारी सुधांशु तिवारी द्वारा जल गंगा सवर्धन अभियान चलाया जा रहा है, जो 30 जून तक संचालित होगा।

यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। अभियान के अंतर्गत जलस्त्रोतों की साफ सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है।

इसी तारतम्य में म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कटनी एवं एनजीओ ओम साई संस्था एवं विजन ने एक साथ मिलकर श्रमदान किया और कटनी नदी की साफ सफाई की। साथ ही जल स्त्रोतो को संरक्षित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई व जल के संरक्षण के लिए सभी को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी सुधांशु तिवारी, केमिस्ट राजेंद्र शुक्ला, सहायक यंत्री प्रतीक ज्योतिषी, भाग्यश्री सुहाने, गणेष पाठक, विजन की टीम के साथ स्मृति बर्मन, प्रत्यूषा पाण्डेय, जेसिका मॉरिस, आदित्य पटेल एवं ओम साईं विजन की टीम उपस्थित रही।

कलेक्टर ने किया अपना घर वृद्धाश्रम का निरीक्षण

अशोक नगर (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने रविवार को शंकरपुर स्थित अपना घर वृद्धाश्रम अशोकनगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं के बारे वृद्धाश्रम निवासरत वृद्धजनों से चर्चा की उन्होंने। उन्होंने वृद्धजनों से चाय,नाश्ता, खाना, शुद्ध पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वृद्धजनों से स्वास्थ्य चेकअप के पूछा। उन्होंने वृद्धाश्रम में मनोरंजन के संसाधनों के लिए टीवी, भजन सामग्री के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम के सभी कमरों में पहुंचकर व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने निर्देशित किया कि समय-समय पर वृद्धजनों को स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। मौके पर महिला वृद्धजनों द्वारा भजन संगीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि समय-समय पर आप लोगों के बीच आता रहूंगा। वृद्धाश्रम में आप लोगों को सभी आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

अवैध रेत से भरे ट्रेक्टर को जब्त कर थाना के सुपुर्द किया

जबलपुर (निप्र)। मझौली तहसीलदार ने आज संदेह के आधार पर मनखेड़ी मार्ग में रेत से भरे एक ट्रेक्टर को रोका, जिस पर ड्राईवर ट्रेक्टर छोड़कर भाग गया। इस पर उन्होंने अवैध रेत परिवहन कर रहे ट्रेक्टर को जब्त कर इंद्राना थाना के सुपुर्द कर दिया।

गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए उपयोगी है रोटावेटर

रीवा (निप्र)। ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार खेती है। खेती के आधुनिकीकरण के साथ इसका तेजी से यंत्रीकरण हो रहा है। अब खेतों की जुताई लगभग शत-प्रतिशत ट्रैक्टरों के माध्यम से होती है। ट्रैक्टर से संचालित कई कृषि उपकरण किसानों के लिए बहुत उपयोगी हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि ट्रैक्टर के माध्यम से चलने वाला रोटावेटर और रोटरी टिलर्स खेतों की गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए बहुत उपयोगी है। रोटावेटर से किसान अपनी सुविधा और उपयोगिता के अनुसार जुताई की गहराई का निर्धारण कर सकते हैं। इसके उपयोग से नरवाई तथा अन्य खरपतवार छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटकर मिट्टी में मिल जाते हैं। बारिश के बाद इनसे मिट्टी के लिए बहुत उपयोगी हरी खाद तैयार होती है जिससे मिट्टी की उर्वरता और जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है। धान की रोपाई के लिए खेत को समतल करने और पडलिंग के लिए भी रोटावेटर का उपयोग किया जा सकता है। रोटावेटर का उपयोग 35 हार्सपावर से 55 हार्सपावर तक के ट्रैक्टर में सबसे कारगर होता है। रोटावेटर से सामान्य रूप में तीन घण्टे में एक हेक्टेयर के खेत में जुताई का कार्य हो जाता है। बाजार में रोटावेटर के कई माडल उपलब्ध हैं। किसान अपनी सुविधा के अनुसार इनका उपयोग कर सकते हैं। कृषि विभाग द्वारा रोटावेटर के लिए अनुदान की भी सुविधा उपलब्ध है।

तंबाकू निषेध दिवस पर शपथ एवं मिनी मैराथन दौड़ आयोजित

कटनी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराना और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं के आयोजित की गई। यह आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील बाजपेई की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा नशा न करने हेतु मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना जिला संगठक डॉ. रुक्मणी प्रताप सिंह ने तंबाकू निषेध दिवस पर उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्टाफ को तंबाकू का सेवन न करने एवं तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान और एक स्वस्थ जीवन के लिए तंबाकू छोड़ने के महत्व के बारे में लोंगो को जागरूक करने की शपथ दिलाई। तंबाकू सेवन से जुड़े सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी खतरों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आज का युवा वर्ग यदि तंबाकू जैसे व्यसनों से दूर रहता है, तो न केवल वह स्वयं स्वस्थ्य रहेगा बल्कि एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भी योगदान देगा। क्रीड़ा अधिकारी वीरेंद्र कुमार पटेल ने तंबाकू सेवन से जुड़ी बीमारियों जैसे कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की समस्याओं की वैज्ञानिक जानकारी साझा की। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल लाखों लोग तंबाकू से होने वाली बीमारियों के कारण असमय मृत्यु का शिकार होते हैं। यह केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है कि हम मिलकर इस समस्या से लड़ें। युवाओं ने नारों के माध्यम से भी भी तंबाकू निषेध के बारे में जागरूक किया सिगरेट जलाओ नहीं - जीवन जलाओ नहीं जैसे प्रेरणादायक संदेशों ने सबका ध्यान आकर्षित किया। महाविद्यालय के एनएसएस प्रभारी और हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. माधुरी गर्ग, एनसीसी अधिकारी डॉक्टर सरदार दिवाकर ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और तंबाकू लत के बीच के संबंधों पर व्याख्यान देते हुए कहा कि अक्सर युवा तनाव और असुरक्षा की स्थिति में तंबाकू की ओर आकर्षित होते हैं, जबकि उन्हें सकारात्मक संवाद, परामर्श और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब एवं एनसीसी के स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

थाना रायपुर कर्चुलियान के 55 लावारिस वाहनों की होगी नीलामी

वाहनों के संबंध में दावे-आपत्तियाँ 12 जून तक होंगी दर्ज

रीवा (निप्र)। थाना रायपुर कर्चुलियान में 55 लावारिस दो पहिया वाहन थाना परिसर में रखे हुए हैं। सभी वाहन रात्रिकालीन गश्त और चेकिंग के दौरान लावारिस रूप में पकड़े गए हैं। इस संबंध में एसडीएम रायपुर कर्चुलियान पीएस त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस एक्ट के प्रावधानों के तहत वाहनों को राजसात करके नीलामी की कार्यवाही की जा रही है। इन वाहनों के मालिक वैध दस्तावेजों के साथ अथवा अन्य कोई व्यक्ति नीलामी के संबंध में 12 जून तक दावे-आपत्तियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं। दावे-आपत्तियों के निराकरण के बाद वाहनों की नीलामी की कार्यवाही की जाएगी। निर्धारित शर्तों का पालन करने वाले बोलीदार नीलामी में भाग ले सकेंगे। थाना रायपुर कर्चुलियान में बजाज सीटी 100 एमपी 04 एनएस 8649, हीरो होण्डा स्पलेंडर एमपी 17 एमक्यू 7679, बजाज डिस्कवर एमपी 17 एमएच 3350, होण्डा साइन ग्रे कलर, टीव्हीएस विक्रांत एमपी 19 एमपी 5446 की नीलामी होगी। नीलामी में हीरो सीडी डीलक्स एमपी 17 एमसी 6962, सुजुकी हयाते लाल कलर, यामाहा एमपी 17 एमएम 1735, हीरो होण्डा ग्लैमर एमपी 65 एम 0174, हीरो एचएफ डीलक्स एमपी 17 एमजे 1311, हीरो होण्डा स्पलेण्डर एमपी 19 ई 0266, हीरो होण्डा सीडी डॉन एमपी 17 एचजी 4589, हीरो स्पलेण्डर एमपी 17 एमपी 6213, एक्टिवा एमपी 17 एसए 0163 वाहन शामिल हैं।

इसी तरह हीरो एचएफ डीलक्स एमपी 17 एमयू 3963, हीरो पैशन प्रो एमपी 17 एमजे 2143, हीरो होण्डा स्पलेण्डर ब्लैक सिल्वर, टीव्हीएस स्टार पर्पल कलर, टीव्हीएस स्पोर्ट्स सफेद लाल रंग, हीरो होण्डा सीडी डीलक्स एमपी 17 एमजेड 2369, एक्टिवा ग्रे कलर, हीरो स्पलेण्डर एमपी 17 एमसी 2187, बजाज डिस्कवर, हीरो होण्डा सीडी डॉन की नीलामी होगी। नीलामी में हीरो स्पलेण्डर प्लस, टीव्हीएस स्पोर्ट्स एमपी 66 एमए 5784, टीव्हीएस स्टार, बजाज डिस्कवर एमपी 17 एमएच 9638, होण्डा स्टनर एमएच 46 आर 1065, टीव्हीएस स्पोर्ट, हीरो होण्डा पैशन, बजाज प्लेटिना एमपी 18 एमसी 1664, हीरो होण्डा स्पलेण्डर एमएच 03 जी 9174 वाहन शामिल हैं। इसी तरह हीरो होण्डा स्पलेंडर रेड कलर, हीरो होण्डा स्पलेण्डर एमपी 03 यू 3701, होण्डा साइन एमपी 19 एमई 6007, कावासाकी बाक्सर एमपी 17 एचबी 7042, हीरो होण्डा एमपी 17 एचडी 5349, कावासाकी, हीरो होण्डा पैशन एमपी 17 एचसी 8444, यामाहा फ्लेम, कावासाकी बाक्सर एमपी 17 एच 1272 वाहनों की नीलामी होगी।

संपादकीय

वाजिब चिंता, वायुसेना प्रमुख की चेतावनी

दुनिया फिलहाल जिस संवेदनशील दौर से गुजर रही है और भारत के सामने अपने कुछ पड़ोसी देशों के अस्थिर रुख की चुनौतियां खड़ी रहती हैं, वैसे में सुरक्षा का हर मोर्चा हर वक्त पूरी तरह चौकस और दुरुस्त रहना एक अनिवार्य तकाजा है। निश्चित रूप से देश की सरकार ने इस संबंध में कोताही नहीं बरतती होगी। लेकिन यह ऐसा मसला है, जिसमें हमेशा ज्यादा बेहतर करने की जरूरत होती है, कमियों पर ध्यान देना जरूरी होता है ।इस लिहाज से देखें तो देश के वायुसेना प्रमुख एअर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने गुरुवार को महत्त्वपूर्ण रक्षा परियोजनाओं के तहत संसाधनों की खरीद और आपूर्ति को लेकर जो सवाल उठाए हैं, उन पर गौर किया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने रक्षा सौदों में आपूर्ति में देरी पर चिंता जाहिर करते हुए घरेलू रक्षा क्षेत्र पर गंभीरता से विचार करने के लिए जिन बातों की ओर ध्यान दिलाया है, उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। वायुसेना प्रमुख ने साफ शब्दों में कहा कि इस क्षेत्र में कई परियोजनाओं के वादे तो किए गए, लेकिन निर्धारित समय में एक भी परियोजना पूरी नहीं हो सकी। जबकि बढ़ती चुनौतियों और संवेदनशीलता के मद्देनजर देखें तो समय सीमा सबसे अहम मुद्दा होना चाहिए ।सवाल है कि जिस मसले पर सरकार को अपनी ओर से चुनौतियों की पहचान और उसका हल निकालने की पहल करनी चाहिए, उसकी फिक्र वायुसेना प्रमुख को जाहिर करने की जरूरत क्यों पड़ी। यह छिपा नहीं है कि समूची दुनिया में अलग-अलग देशों के बीच समीकरण किस तेजी से बदल रहे हैं। कारणों पर बहस हो सकती है, लेकिन यह जगजाहिर है कि अचानक पैदा हुई परिस्थितियों में किसी देश के सामने टकराव से लेकर युद्ध तक के हालात में सुरक्षा संबंधी गंभीर चुनौती खड़ी हो सकती है ।ऐसे में अगर सैन्य बलों की ओर से परियोजनाओं के समय पर पूरा नहीं होने पर चिंता जाहिर की जाती है, तो यह सरकार के लिए तत्काल विचार करने और कमियों पर गौर करने का मामला होना चाहिए। वायुसेना प्रमुख की यह बात बेहद अहम है कि युद्ध का चरित्र बदल रहा है तो हर दिन हम नई तकनीकें देख रहे हैं। जाहिर है, इसी मुताबिक खुद को तैयार रखने की जरूरत है ।भारत ने कई मौकों पर इस तरह की चुनौतियों को बेहद करीब से देखा और इसका सामना किया है, जिसमें पाकिस्तान या चीन जैसे पड़ोसी नाहक ही टकराव जैसे हालात पैदा करते रहते हैं। हालत यह है कि पाकिस्तान को किसी भी समय संघर्ष विराम का उल्लंघन करने में हिचक नहीं होती, तो चीन की गतिविधियां भी भारत के लिए चिंता का कारण रही हैं। ऐसे में सीमा पर कब कैसी परिस्थितियां पैदा हो जाएं, यह तय कर पाना मुश्किल है ।ऐसे में अगर लड़ाकू विमानों की खरीद का सौदा तय हो जाए, लेकिन उसकी आपूर्ति और तैनाती के समय को लेकर सजगता नहीं बरती जाए, तो इसके क्या नतीजे हो सकते हैं? पिछले कुछ वर्षों के दौरान युद्ध और तकनीकी के मोर्चे पर दुनिया भर में जिस तरह के बदलाव आए हैं, उसमें जरूरत इस बात की है कि सेना को सभी और नए जरूरी साजो-सामान से लैस किया जाए ।रक्षा परियोजनाओं के तहत अगर किसी संदर्भ में वादे किए जाते हैं, तो उन्हें समय पर पूरा करने को लेकर भी उतनी ही सजगता होनी चाहिए। रक्षा क्षेत्र में तकनीकी और संसाधनों के विकास के मामले में आत्मनिर्भरता सबसे बेहतर समाधान है।

नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है।

लाल आतंक के गढ़ में लहरा रहा तिरंगा

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए।

चार दशक से ज्यादा समय तक नक्सलवाद का शिकार रहे छत्तीसगढ़ का बस्तर जिले को अब वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) जिले की सूची से बाहर कर दिया गया है। अपने आप में ये बड़ी खबर है। दरअसल मोदी सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाए। गृह मंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है।

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकारों के विशेष बल, केंद्रीय सुरक्षा बलों, पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। इससे नक्सली घटनाओं में जबरदस्त कमी आयी।

2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जिसे भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती कहा था, वही नक्सलवाद अब खत्म होता दिख रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक रेड कॉरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। 2013 में लगभग 126 जिलों में नक्सली सक्रिय थे। वर्तमान में नक्सलवाद से सबसे

ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई। इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले- बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का एक जिला- पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का एक जिला- गढ़चिरौली शामिल है।

वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में अब तक 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। वहीं 865 ने समर्पण किया है और 830 गिरफ्तार हुए हैं। गत 21 मई को सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ में डेढ़ करोड़ के इनामी नंबला केशव उर्फ बसवराज को मार गिराया था। वह तीन दशक से सक्रिय था। इसे नक्सलियों का हाफिज सईद भी कहा जाता है। नक्सलियों के सरदार बसवा राजू के ढेर होने के बाद माओवादियों का हौसला पस्त हो गया है। इस बड़े एनकाउंटर के बाद दक्षिण बस्तर डिवीजन में 4 हार्डकोर नक्सलियों सहित 18 माओवादियों ने सरेंडर किया था। इसी तरह बीजापुर में 32 और तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। बासव राजू की मौत के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर लिखा था कि महासचिव स्तर के बड़े नक्सली नेता को मारा गया है। इस कामयाबी को हासिल करने वाला 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' भी सुर्खियों में है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज़ किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज़ किया जा चुका है।

वर्ष 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014 से 2024 के बीच हिंसक घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7,744 रह गई हैं। इसी प्रकार, सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या 1851 से 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 70 प्रतिशत की कमी के साथ 4766 से 1495 रह गई है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 ज़िले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं।

नक्सली हिंसा में 2010 में 720 नागरिक मारे गए। 2024 में मरने वालों की संख्या घटकर 131 हो गई। नक्सली हिंसा में 2010 में 1005 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। 2024 में 150 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। यानि कि मरने वालों की संख्या में 85 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। नक्सली आर्थिक ढांचे जैसे कि रेलवे प्रॉपर्टी, पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर की इकाइयों, टेलीफोन एक्सचेंज, मोबाइल टॉवर, सड़क, स्कूल को निशाना बनाते रहे हैं। पर पिछले कुछ साल से इन घटनाओं में कमी आई है। 2010 में हमले की ऐसे 365 मामले थे, जो 2024 में घटकर 25 रह गए।

पिछले एक दशक में मिली सफलता का श्रेय सुरक्षा रणनीति के साथ ही विकास योजनाओं में आई तेजी को भी जाता है। सरकार ने लक्षित विकास योजनाएं चलाईं, जिनसे लोगों का भरोसा दोबारा जीता जा सका। सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कामों ने स्थानीय लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वहीं, 'रोशनी योजना' ने आदिवासी युवाओं को कौशल विकास और रोजगार प्राप्त करने में मदद की है।

केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वह उन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के दबाव में नहीं आएगी, जो बंदूक उठाने वाले माओवादी उग्रवादियों का समर्थन करते हैं। पिछले एक दशक से सरकार ने माओवाद के खिलाफ एक मजबूत और बहुआयामी रणनीति अपनाई है, जो अब काफी असरदार साबित हो रही है।

गृह मंत्रालय की 2017 में शुरू की गई 'समाधान' रणनीति ने जमीन पर बड़ा फर्क डाला है। इसमें सुरक्षा संबंधी कार्ययोजना के साथ-साथ विकास से जुड़ी पहल भी शामिल है।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान मोदी सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रतीक है। इस से पहले कोई सरकार ऐसी इच्छाशक्ति दिखा नहीं पाई। ध्यान इस बात का रखना होगा कि नक्सलवाद फिर सिर न उठा पाए, इसके लिए प्रभावित इलाकों में अगला चरण लोकोन्मुखी सरकार, भूमि अधिकार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आर्थिक उत्थान पर फोकस होना चाहिए।

आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक जरूरी

(सुरेश हिंदुस्तानी)

यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है।

आतंकवाद को आश्रय देने वाले देश पाकिस्तान की असलियत को उजागर करने के लिए भारत ने बहुत बड़े रणनीतिक स्तर पर कार्य किया है। एक तरफ जहां पाकिस्तान केवल तीन ऐसे मुस्लिम देशों का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा है, जो उसे पहले से ही समर्थन कर रहे थे। वहीं भारत ने इससे आगे बढ़कर वैश्विक समुदाय के समक्ष पाकिस्तान को आतंकियों को संरक्षण देने वाला देश बताने में कोई संकोच नहीं किया। भारत ने विश्व के तमाम देशों में अपने प्रतिनिधि मंडल भेजकर भारत का पक्ष रखकर यह बताने का प्रयास किया है कि आतंकी हमला पाकिस्तान की

ओर से किया गया। इसके विपरीत भारत की ओर से केवल जवाबी कार्यवाही ही की गई है, जिसका भारत को पूरा अधिकार है। भारत के प्रतिनिधि मंडलों की ओर से इस सच को दुनिया को बताने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत की ओर से पाकिस्तान पर हमला नहीं किया गया, बल्कि आतंकवाद पर प्रहार किया गया। इसी बात पर भारत को विश्व समुदाय का समर्थन भी मिल रहा है। सबसे ख़ास बात यह है पाकिस्तान में जहां अपनी ही सरकार विपक्ष के निशाने पर है, वहीं भारत सरकार ने अपनी कूटनीतिक चाल चलते हुए इन प्रतिनिधि मण्डलों में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ ही विपक्ष के कई प्रभावी नेताओं को शामिल किया है। यही नेता विश्व के देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रख रहे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से विश्व बिरादरी से पाकिस्तान पर अलग थलग होने का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया है। यह बात सही है कि पाकिस्तान में आश्रय और संरक्षण प्राप्त करने वाले आतंकी आकाओं को आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए वित्त पोषण प्राप्त होता रहा है। इसका आशय स्पष्ट है कि पाकिस्तान आतंक को समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि आतंकवादियों को जब तक वित्त पोषित कया जाता रहेगा, तब तक पाकिस्तान की ओर से आतंक फैलाने वालों पर अंकुश लगाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सबसे पहले उसके वित्त पोषण पर रोक लगाना बहुत जरूरी है।

यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है। आज के समय में पाकिस्तान इस बात को नकारने का साहस नहीं कर सकता कि उसके देश में आतंकवादी संगठन सक्रिय नहीं हैं। क्योंकि यह तथ्य विश्व के सामने उजागर हो चुका है। आज भी पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा, लश्कर ए ओमर, जैश ए मोहम्मद, हरकतुल मुजाहिद्दीन, सिपाह ए सहाबा, हिज़्बुल मुजाहिदीन आदि पाकिस्तान में रहकर अपनी आतंकी गतिविधियाँ चलाते हैं। कई मामलों में आईएसआई से इन्हें सक्रिय प्रशिक्षण एवं अन्य सहयोग भी मिलते हैं। इतना ही नहीं कई बार सेना और सरकार का भी खुला संरक्षण भी इनको मिलता रहा है। पाकिस्तान सरकार की मानें तो उसके यहां 20 से अधिक आतंकी संगठन सक्रिय हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस संख्या को 150 से अधिक तक बताता है। वहीं, अमेरिकी स्टेट डिमार्टमेंट के मुताबिक यह संख्या 70 से अधिक है। वैश्विक समुदाय के दबाव में पाकिस्तान कई बार आतंकी समूहों के विरोध में कार्यवाही करने की बात करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर सेना और राज्य सरकारों की ओर से आतंकी संगठनों को खाद पानी प्राप्त होता रहता है। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद की जड़ें बहुत ही गहरी हैं।

दूध सेहत का सार है। दूध वो दरिया है जिसमे सभी को डूब के जाना है। कहने का तात्पर्य यह है कि दूध एक विशाल नदी की तरह है जिसमे प्रत्येक स्तनधारियों को पैदा होने के बाद एक बार डुबकी लगानी ही पड़ती है। अर्थात पैदा होते ही बच्चे सर्वप्रथम अपनी माँ का दूध अवश्य पीते है। दूध को क्षीर, दुग्ध, पय, गोरस,और दोहज आदि नामों से भी जाना जाता है। दूध स्तनधारियों की स्तन ग्रंथियों द्वारा उत्पादित होता है। दूध पोषकता से भरपूर होता है।

दूध की दिव्यता का स्रोत है दुग्धशाला

(डॉ. शंकर सुवन सिंह)

दूध में प्रोटीन का 80 प्रतिशत हिस्सा केसिन के रूप में होता है और बाकी 20 प्रतिशत हिस्सा व्हे का होता है। दूध में व्याप्त केसिन प्रोटीन, कैल्शियम और फॉस्फेट के साथ मिलकर छोटे छोटे कण बनाते हैं जिन्हें मिसेल्स कहा जाता है।

दूध सेहत का सार है। दूध वो दरिया है जिसमे सभी को डूब के जाना है। कहने का तात्पर्य यह है कि दूध एक विशाल नदी की तरह है जिसमे प्रत्येक स्तनधारियों को पैदा होने के बाद एक बार डुबकी लगानी ही पड़ती है। अर्थात पैदा होते ही बच्चे सर्वप्रथम अपनी माँ का दूध अवश्य पीते है। दूध को क्षीर, दुग्ध, पय, गोरस,और दोहज आदि नामों से भी जाना जाता है। दूध स्तनधारियों की स्तन ग्रंथियों द्वारा उत्पादित होता है। दूध पोषकता से भरपूर होता है। स्तनधारी प्राणियों का पृथ्वी पर अवतरण होते ही उनके बच्चों के जीवन की शुरुआत दूध से होती है। दूध जीवन को जीवंत करने का विशिष्ट गुण रखता है। अतएव दूध स्तनधारियों के बच्चों के जीवन के विकास के लिए एक मुख्य पोषण स्रोत है। दूध के पोषक तत्व बच्चों के निरोगी भविष्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

आउटलाइन्स ऑफ़ डेयरी टेक्नोलॉजी पुस्तक के लेखक सुकुमार डे. के अनुसार दूध की संरचना में पानी, वसा, प्रोटीन, लैक्टोज (दूध की चीनी) और खनिज (लवण) शामिल हैं। इनके अलावा, दूध में अन्य पदार्थ जैसे वर्णक (पिगमेंट), एंजाइम, विटामिन, फॉस्फोलिपिड और गैसें भी मौजूद होती हैं। सामान्यतः पानी की मात्रा लगभग 87.34 प्रतिशत होती है। वसा लगभग 3.75प्रतिशत और प्रोटीन लगभग 3.45प्रतिशत , लैक्टोज लगभग 4.6प्रतिशत और खनिज लगभग 1त्न से कम होता है। सामान्यतः दूध में व्याप्त पूर्ण ठोस (टोटल सॉलिड) जो लगभग 12.66 प्रतिशत है उसी की वजह से दूध अपारदर्शी है और दूध में व्याप्त पानी जो लगभग 87.34 प्रतिशत है उसकी वजह से दूध तरल है। अगर हम दूध में मौजूद पानी की बात करें तो सबसे ज्यादा पानी गधी के दूध में 91.5प्रतिशत होता है। पानी की मात्रा घोड़ी में 90.1प्रतिशत , मनुष्य में 87.4प्रतिशत , गाय में 87.2प्रतिशत , ऊंटनी में 86.5प्रतिशत और बकरी में 86.9प्रतिशत होता है। दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, ज़िंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, विटामिन डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के वसा रहित दूध (स्किम्ड मिल्क) में कोलेस्ट्रॉल 2-5 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। पूर्ण वसा (फुल क्रीम) वाले दूध में कोलेस्ट्रॉल 10-15 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है।

आंकड़ों के अनुसार एक स्वस्थ्य व्यक्ति 300 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल प्रतिदिन ले सकता है। अतएव दूध पीने से हृदयघात होने की संभावना नगण्य होती है। दूध में मुख्यतः केसिन और व्हेय नामक दो प्रोटीन पाए जाते हैं। दूध में प्रोटीन का 80 प्रतिशत हिस्सा केसिन के रूप में होता है और बाकी 20 प्रतिशत हिस्सा व्हे का होता है। दूध में व्याप्त केसिन प्रोटीन, कैल्शियम और फॉस्फेट के साथ मिलकर छोटे छोटे कण बनाते हैं जिन्हें मिसेल्स कहा जाता है। जब प्रकाश इन मिसेल्स से टकराता है तो यह प्रकाश अपरिवर्तित होकर फ़ैल जाता है। दूध में पाए जाने वाला वसा के कण (फैट ग्लोबुल्स) भी प्रकाश के प्रकीर्णन का कारण बनते हैं। अतएव दूध का रंग सफ़ेद दिखाई देता है। कहने का तात्पर्य यह है कि जिस दूध में जितना ज्यादा वसा (फैट) होगा उसका रंग उतना ही सफ़ेद दिखाई देगा। गाय के दूध में भैंस के दूध की अपेक्षा वसा (फैट) कम होता है और केसिन नामक प्रोटीन भी कम होता है। इसलिए गाय का दूध हल्का पीला दिखाई देता है। दूध में कैरोटीन और कैसिन नामक दो वर्णक (पिगमेंट) होते हैं जो उसके रंग को प्रभावित करते हैं। अतएव कैरोटीन की वजह से गाय के दूध में हल्का पीला रंग होता है, जबकि कैसिन की वजह से दूध का रंग सफेद होता है। भैंस के दूध में केरोटीन कम होता है और फैट ज्यादा। जबकि गाय के दूध में केरोटीन ज्यादा और फैट अपेक्षाकृत कम होता है। अतएव हम कह सकते हैं कि दूध एक अपारदर्शी, सफेद तरल उत्पाद है।

दूध दिव्य है। यह एक संपूर्ण आहार है। डेयरी (दुग्धशाला), दूध का स्रोत हैं। दूध पोषक तत्वों का स्रोत है। डेयरी (दुग्धशाला) वो शब्द है जिसमे दूध और दूध से बने सभी उत्पाद के रखरखाव, संरक्षण और पैकेजिंग आदि की व्यवस्था होती है। डेयरी शब्द को दुग्ध उद्योग से जोड़ कर देख सकते हैं। दूध को विभिन्न डेरी उत्पादों में परिवर्तन के लिए प्रसंस्करण किया जाता है। दूध के विभिन्न उप उत्पाद भी होते हैं जिन्हे तकनीकी भाषा में मिल्क बाई प्रोडक्ट (दूध के उप उत्पाद) भी कहा जाता है। डेयरी उत्पाद में दूध प्राथमिक घटक के रूप में प्रयोग होता है। जैसे की दूध, दही, पनीर, आइसक्रीम। डेयरी उप उत्पादों में व्हेय, छाछ, स्किम मिल्क, घी के अवशेष (घी रेज़िड्यू) आदि आते हैं। दूधऔर डेयरी (दुग्धशाला) का सम्बन्ध बगिया और माली जैसा है। जिस प्रकार एक माली अपनी बगिया को सींचता और सम्हालता है। उसी प्रकार एक माली रूपी डेयरी (दुग्धशाला), बगियारूपी दूध को सम्हालता और संरक्षित करता है। डेयरी (दुग्धशालाएँ) दूध की सुंदरता और उनकी दिव्यता का द्योतक है। दूध का रखरखाव और उसको ताजा बनाए रखने की जिम्मेदारी डेयरी (दुग्धशाला) की होती है। जिसको तकनीकी भाषा में शेल्फ लाइफ ऑफ़ मिल्क कहा जाता है। अर्थात दूध की पोषकता को लम्बे समय तक बनाए रखना। पोषकता का सम्बन्ध शुद्धता से होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मालखाने से नकदी और गहने चुराने के आरोप में डीपी का हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल को मालखाने से रुपए और गहने चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हेड कांस्टेबल देर रात मालखाने में घुसा और नकदी और गहने लेकर फरार हो गया। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल को स्पेशल सेल के लोधी रोड कार्यालय के मालखाने से करीब 51 लाख रुपए नकद और गहने चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि आरोपी को हाल ही में स्पेशल सेल से पूर्वी दिल्ली ट्रांसफर किया गया था। वह मालखाने तक पहुंच रखता था, जहां जब्त सामान रखा जाता है। एक पुलिस सूत्र ने बताया कि हेड कांस्टेबल शुक्रवार देर रात मालखाने में घुसा और नकदी तथा गहने लेकर फरार हो गया। हालांकि, घटना कुछ ही देर में प्रकाश में आ गई, जब मालखाना प्रभारी ने गड़बड़ी देखी। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली और आरोपी की पहचान की। तलाशी अभियान चलाया गया और शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्र ने बताया कि चोरी की गई रकम और गहने बरामद किए जा रहे हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उसका कोई साथी तो नहीं है। अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और विभागीय कार्रवाई भी शुरू की जा रही है।

दिल्ली के अलीपुर इलाके में जली हुई लाश बरामद; डेड बॉडी पर गोली मारने के निशान

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के अलीपुर इलाके में एक सुनसान जगह पर एक अज्ञात शख्स की लाश पाई गई। शख्स को गोली लगी थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब छह बजे एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें मुखमेलपुर गांव के पास एक लाश पड़ी होने की सूचना मिली। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने एक सुनसान जगह पर जली हुई लाश को बरामद की। मृतक की उम्र करीब 30 साल बताई जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऐसा लग रहा है कि लाश को आग के हवाले करने से पहले उसके कान के पास गोली मारी गई थी। मृतक के कपड़े भी आंशिक रूप से जले थे। इससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया था। घटनास्थल के पास से एक खाली कारतूस बरामद किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक टीमों को मौके पर बुलाया गया और साक्ष्य जुटाने के लिए इलाके की घेराबंदी की गई।अधिकारी ने बताया कि लाश को बाद में पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। गुमशुदगी की रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के जरिए मृतक की पहचान करने की कोशिशें पुलिस कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

वांटेड हैं नेतन्याहू... दिल्ली में लगाए पोस्टर? पुलिस ने गृह मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पॉश इलाके चाणक्यपुरी में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक विदेशी दूतावास कर्मी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के वांटेड पोस्टर लगा दिए। दिल्ली पुलिस ने इन पोस्टरों को देखा, लेकिन कर्मी के पास डिप्लोमैटिक पासपोर्ट होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। ये घटना बीते 10-12 दिन पहले की है, जब दिल्ली पुलिस को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के वांटेड पोस्टर बिजली के खंभों पर चिपके दिखे। ये पोस्टर मालचा मार्ग पर कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल और अमेरिकन एंबेसी स्कूल के पास लगाए गए थे। इन पोस्टरों को तुरंत हटा दिया गया। पुलिस ने जांच शुरू की और कई सीसीटीवी कैमरे खंगाले। फुटेज में एक शख्स पोस्टर चिपकाते नजर आया। इंडियन एक्सप्रेस की एक खबर के अनुसार, पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए पोस्टर चिपकाने वाले शख्स के घर तक पहुंच गई। पुलिस को पता चला कि पोस्टर लगाने वाला कोई आम शख्स नहीं, बल्कि एक पश्चिमी यूरोपीय देश के दूतावास में काम करने वाला विदेशी नागरिक था। उसके पास डिप्लोमैटिक पासपोर्ट होने की वजह से पुलिस ने सिर्फ उसका ब्योरा लिया और आगे की कार्रवाई के लिए मामले को गृह मंत्रालय को सौंप दिया। चूंकि यह शख्स डिप्लोमैटिक इम्यूनिटी के दायरे में आता है, दिल्ली पुलिस ने कोई सख्त कदम नहीं उठाया।

दिल्ली के बाटला हाउस में बुलडोजर वाला खौफ

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के बाटला हाउस में इन दिनों बुलडोजर का खौफ छाया हुआ है। मुरादी रोड और खिजर बाबा कॉलोनी के निवासियों के घरों और दुकानों पर लाल निशान लग चुके हैं। इन घरों पर दिल्ली विकास प्राधिकरण यानी डीडीए और यूपी सिंचाई विभाग की ओर से 11 जून से शुरू होने वाली तोड़फोड़ की तलवार लटक रही है। सुप्रीम कोर्ट के 7 मई के आदेश के बाद शुरू हुई इस कार्रवाई ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 7 मई को अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया था, जिसमें पीएम-उदय योजना के दायरे से बाहर की कॉलोनियों को तोड़ने की बात कही गई। इस आदेश के तहत डीडीए ने मुरादी रोड पर 2.8 बीघा और यूपी सिंचाई विभाग ने खिजर बाबा कॉलोनी में 4.5 बीघा जमीन पर बने मकानों को अवैध करार दिया। 26 मई को इमारतों पर नोटिस चस्पा किए गए, जिनमें 15 दिन में घर खाली करने का अल्टीमेटम दिया गया था। ईद से ठीक पहले आई इस खबर ने इलाके के ज्यादातर मुस्लिम परिवारों में डर और अनिश्चितता फैला दी। इलाके में रहने वाले लोगों को उनके घर टूटने और सड़क पर आने का डर

सता रहा है। यूपी सिंचाई विभाग का दावा है कि खिजर बाबा कॉलोनी की जमीन उनकी है, लेकिन निवासियों का कहना है कि वे दशकों से यहां रह रहे हैं और उनके पास बिजली बिल, किराया डीड और प्रॉपर्टी टैक्स जैसे दस्तावेज हैं। वहीं, डीडीए का कहना है कि ये इलाके पीएम-उदय योजना के दायरे से बाहर हैं। लेकिन यहां रह रहे लोगों का दावा है कि उनके पास 2014 से पहले के दस्तावेज हैं, जो उन्हें यहां रहने का अधिकार देते हैं। 40 से ज्यादा लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें सीनियर वकील संजय हेगड़े ने तर्क दिया कि नोटिस बिना उचित सुनवाई के चस्पा किए गए, जो प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है। कोर्ट ने 2 जून को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया, लेकिन मामले को जुलाई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। कोर्ट ने कहा, हम छुट्टियों में इस पर विस्तार से सुनवाई नहीं करेंगे। खिजर बाबा कॉलोनी के 115 परिवारों को दिल्ली हाई कोर्ट से 4 अगस्त तक की अस्थायी राहत मिली है। वकील फारुख खान ने बताया कि यूपी सिंचाई विभाग पहले भी ओखला में जमीन के दावों में हार चुका है। स्थानीय लोग अब पीएम-उदय योजना और प्रॉपर्टी राइट्स एक्ट 2019 के तहत अपनी जमीन को नियमित कराने की कोशिश में हैं। क्या है बाटला हाउस की जमीन का विवाद?

बाटला हाउस, दिल्ली के जामिया नगर इलाके में स्थित एक घनी आबादी वाला इलाका है, जो मुरादी रोड और खिजर बाबा कॉलोनी जैसे क्षेत्रों में बंटा है। यहां की जमीन को लेकर विवाद की जड़ें डीडीए और उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के दावों से जुड़ी हैं, जो अब सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के बाद बुलडोजर की कार्रवाई के रूप में सामने आ रही हैं। डीडीए ने मुरादी रोड पर करीब 3 बीघा जमीन को अवैध घोषित किया है, तो वहीं यूपी सरकार के सिंचाई विभाग ने खिजर बाबा कॉलोनी के साढ़े 4 बीघा जमीन पर अपना दावा जताया है। दोनों ही जगहों पर मकानों और दुकानों को 15 दिन में खाली करने के नोटिस जारी किए गए। वहीं यहां के निवासियों का कहना है कि उनकी जमीन को गलत तरीके से अवैध बताया जा रहा है, जबकि उनके पास वैध दस्तावेज हैं। 10 जून को घर खाली करने की डेडलाइन है, ऐसे में यहां के लोग डर और चिंता के माहौल में जीने को मजबूर हैं।

पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) ने एफवाय25 में राजस्व में 73 प्रतिशत और शुद्ध लाभ में 100 प्रतिशत की धमाकेदार बढ़त दर्ज की!

अहमदाबाद। पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड, , जो विद्युत ठेका और उपकरण उद्योग के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है, ने क्यू4 एफवाय25 और एफवाय25 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। आर्थिक प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री पद्मराज पद्मनाभन पिल्लई, प्रबंध निदेशक, पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड ने कहा, हमें एफवाय25 में असाधारण प्रदर्शन की रिपोर्ट देते हुए गर्व महसूस हो रहा है, जो हमारी क्रियान्वयन क्षमताओं की ताकत और हमारे संचालन को मार्गदर्शित करने वाली रणनीतिक स्पष्टता को दर्शाता है। हमारी आय में साल-दर-साल प्रभावशाली 73 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि शुद्ध लाभ लगभग 100 प्रतिशत बढ़ा, जो हमारी विकास रणनीति की प्रभावशीलता और हमारे व्यापार मॉडल की मजबूती को दर्शाता है। यह तिमाही हमारे सफर में कई रणनीतिक मील के पत्थर भी चिह्नित करती है। हमने पीआइजीएल के समय पर किए गए प्रवेश के माध्यम से सोलर इपीसी सेक्टर में महत्वपूर्ण कदम रखा है, जो भारत के अक्षय ऊर्जा की तेज़ी से हो रही परिवर्तन के साथ पूरी तरह मेल खाता है। हमारे स्थापित विनिर्माण बलों को उभरती प्रोजेक्ट क्रियान्वयन क्षमताओं के साथ जोड़कर, हम अब समग्र और उच्च-मूल्य वाले स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

तेजस कार्गो इंडिया ने एफवाय25 में 50 प्रतिशत की ईबीआईटीडीए वृद्धि दर्ज की!

मुंबई। देशभर में अपनी मज़बूत उपस्थिति के साथ अग्रणी लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता तेजस कार्गो इंडिया लिमिटेड ने अपनी एच2 और वित्त वर्ष 2024-25 की ऑडिटेड वित्तीय रिपोर्ट जारी की। तेजस कार्गो इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री चंदर बिंदल ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 तेजस कार्गो इंडिया के लिए एक परिवर्तनकारी वर्ष रहा है। हमने नेट प्रॉफिट में 45 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की, जो बेहतर एसेट उपयोग, लागत प्रबंधन और स्केल विस्तार के कारण संभव हुआ। हमारे प्रमुख मील के पत्थर में एनएसई इमर्ज पर सफल लिस्टिंग, हमारे बेड़े का 1,100 से अधिक वाहनों तक विस्तार, और देशभर में 22 स्थानों तक हमारी भौगोलिक पहुंच शामिल है। हमने कई उद्योग क्षेत्रों में विविधता लाते हुए अपने ग्राहक आधार को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया। ये सभी विकास हमारे संचालन निष्पादन और दीर्घकालिक विकास योजना पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाते हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स सेक्टर विभिन्न उद्योगों में बढ़ती मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं के औपचारिकरण से लाभान्वित हो रहा है। तकनीक, बेड़े और मल्टीमॉडल क्षमताओं में हमारे निवेश इन रुझानों के अनुरूप हैं।

केक वाला बकरा काटो; भाजपा विधायक की मुसलमानों से मांग, बोले- ये श्रीकृष्ण की भूमि

नईदिल्ली, एजेंसी।
गाजियाबाद के लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने इस बार बकरीद से पहले अनोखी मांग कर दी है। उन्होंने कहा है कि मुस्लिम समुदाय के लोगों को असल बकरा काटने के बजाय केक का बकरा बनाकर उसे काटना चाहिए। उन्होंने इसके जरिए इको फेंडली बकरीद मनाने की अपील की है।

उन्होंने कहा, हमारे यहां पशु बलि से संबंधित अध्यादेश है। इसलिए, मुसलमान पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए असली बकरे की बलि देने के बजाय बकरे के आकार का केक काटकर प्रतीकात्मक रूप से जश्न मनाते हैं। लोनी में, इस परंपरा का पालन एक उदाहरण के रूप में किया जाता है। पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा विधायक ने कहा, देश के मुसलमान लोनी से सबक लें क्योंकि वहां इकोफ्रेंडली ईद मनाई जाती है। उन्होंने कहा, हजरत इब्रहिम साहब ने अपने बेटे की कुर्बानी दी थी। लेकिन डुम्बा जैसे प्रकट हुआ। लेकिन डुम्बा तो भारत में भी नहीं है, उसकी जगह हम सांकेतिक रूप में बकरे पर आ गए तो बकर की जगह केक क्यों नहीं। उन्होंने आगे कहा, देश में कोरोना सामने हैं। हिन्दुओं ने जब नारियल और कद्दू को बलि के रूप में स्वीकार कर लिया है और जीव हत्या को बंद किया है। ये महात्मा बुद्ध, महावीर और

श्रीकृष्ण की भूमि है। दूध-घी की नदियां बहती हैं। इससे पहले नंदकिशोर गुर्जर ने डीसीपी रूरल को पत्र भी लिखा था। इसी के साथ उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर कहा, लोनी में प्रशासन एयरक्राफ्ट ऑर्डिनेंस, पशुधन अधिनियम, 1960 का पालन, गौवंशों व अन्य किसी जीव की हत्या न हो यह सुनिश्चित करें। सूचना प्राप्त हुई है कि बड़े पैमाने पर लोनी में पशुओं का कटान किया जा सकता है, ऐसे में कुछ लोग संवेदनशील लोनी के माहौल को बिगाड़ने के लिए गौवंशों की हत्या भी कर सकते है। मुस्लिम समाज के भाईयों से भी अपील कि है कि प्रगतिवादी सोच का हिस्सा बने। पूर्व की तरह जिसमें लोनी हित में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा इको फ्रेंडली सांकेतिक तौर पर केक का बकरा काटकर ईद शांतिपूर्ण तरीके से मनाई गई थी।

अबॉर्शन चाहने वाली रेप पीड़िताओं से आईडी प्रूफ मांगने पर जोर न दें अस्पताल: दिल्ली हाईकोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी के अस्पतालों से कहा है कि वे अदालतों के आदेश पर गर्भपात की मांग करने वाली बलात्कार पीड़िताओं से पहचान पत्र मांगने से बचें। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने ऐसी पीड़िताओं, खासकर नाबालिगों के लिए स्पष्ट, व्यावहारिक और संवेदनशील मेडिकल प्रोटोकॉल की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर दिया।

हाईकोर्ट ने कहा कि प्रक्रियाओं में स्पष्टता का अभाव, पहचान दस्तावेजों पर जोर तथा अल्ट्रासाउंड जैसी आवश्यक मेडिकल जांच में देरी ने इस मामले में पीड़िता की परेशानी को और बढ़ा दिया है। हाईकोर्ट ने 29 मई के आपने आदेश में कहा, ''अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को इस तथ्य के प्रति संवेदनशील बनाया जाना चाहिए कि यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं, विशेषकर नाबालिग लड़कियों से जुड़े मामलों में अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील दृष्टिकोण की

जरूरत होती है।'' मेडिकल प्रोटोकॉल केवल कानूनी आवश्यकताओं का पालन करने तक सीमित नहीं होने चाहिए, बल्कि उन्हें सहानुभूति, व्यावहारिक सोच, और यौन हिंसा के पीड़ित लोगों द्वारा झेली जाने वाली विशिष्ट कठिनाइयों की गहरी समझ से भी निर्देशित होना चाहिए। फैसले में कहा गया है, जहां यौन उत्पीड़न (बड़े या छोटे) की पीड़िता जांच अधिकारी के साथ हो या उसे अदालत या सीडब्ल्यूसी के निर्देश के अनुसार पेश किया गया हो, वहां अल्ट्रासाउंड या किसी प्रासंगिक/आवश्यक जांच प्रक्रिया के लिए संबंधित अस्पताल और डॉक्टर द्वारा पीड़िता के पहचान प्रमाण/पहचान पत्र पर जोर नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में जांच अधिकारी द्वारा पहचान पर्याप्त होगी। अदालत एक नाबालिग बलात्कार पीड़िता की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने चिकित्सीय गर्भपात की मांग की थी। कोर्ट ने सभी हितधारकों को यौन उत्पीड़न के उन मामलों में स्पष्टता और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न निर्देश जारी किए जिनमें पीड़िता गर्भवती हो।

अदालत ने निर्देश दिया कि सभी मामलों में, संबंधित अस्पताल और डॉक्टर द्वारा बिना किसी देरी के एक व्यापक मेडिकल जांच की जानी चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी (आईओ) की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह पीड़िता की पहचान करे और यह सुनिश्चित करे कि जब उसे डॉक्टर, अस्पताल या मेडिकल बोर्ड के सामने पेश किया जाए, तो पीड़िता से संबंधित आवश्यक दस्तावेज और केस फाइल पुलिस अधिकारी के पास हो। यह भी कहा गया है, बलात्कार पीड़ितों के मामलों में, जहां गर्भ की अवधि अवधि 24 सप्ताह से अधिक है, मेडिकल बोर्ड का गठन तुरंत किया जाएगा और अदालत से किसी विशेष निर्देश की प्रतीक्षा किए बिना, बोर्ड आवश्यक मेडिकल जांच करेगा और जल्द से जल्द एक उचित रिपोर्ट तैयार करेगा और उचित अधिकारियों के समक्ष रखेगा।

रीलबाजों ने कार से बांधकर घसीटा नोएडा पुलिस का बैरिकेड, वायरल वीडियो पर कड़ा ऐक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी।
नोएडा पुलिस ने रील बनाने के लिए पुलिस के बैरिकेड को कार में रस्सी से बांधकर घसीटने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सोमवार को वायरल हुआ। इसके बाद कार्रवाई की गई। वायरल वीडियो यमुना एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नजदीक का है। एक व्यक्ति ने 'एक्स' पर वीडियो को पोस्ट कर लिखा कि कैसे कुछ लोग पुलिस को खुली चेतावनी दे रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनको सोमवार की देर शाम गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान निशांत, सौरभ निवासी हबीबपुर और आर्यकेत निवासी चौगानपुर के रूप में हुई। तीनों गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के छात्र है। वायरल वीडियो फरवरी का बताया जा रहा है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वह एक शादी समारोह से लौट रहे थे। इसी दौरान उन्होंने रस्सी से बांधकर बैरिकेड को खींचकर वीडियो बना ली थी, जो अब आकर वायरल हुई।

कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि वीडियो में जो पिस्तौल दिखाई दे रही है, वह असली नहीं, बल्कि लाइटर है। ट्रैफिक पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई कर कार का

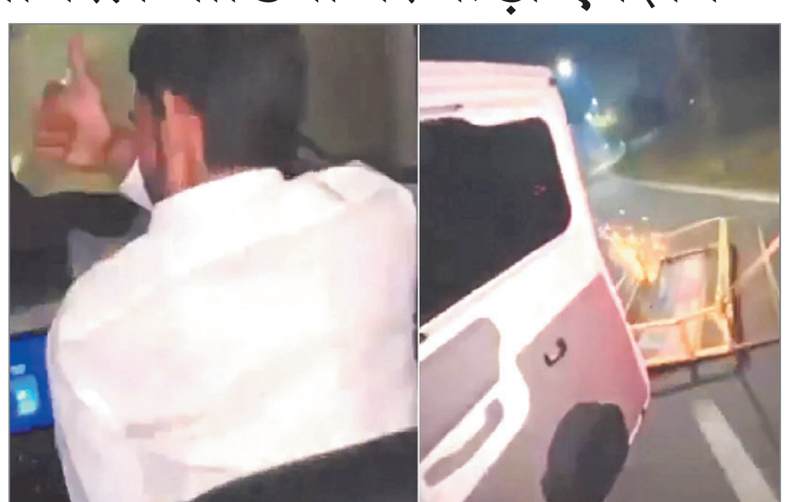

89,500 रुपये चालान किया है। ट्रैफिक पुलिस ने सड़क पर दूसरों की जान जोखिम में डालने और ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने पर यह कार्रवाई की है। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है।

पुलिस ने जिले की सड़कों पर रील बनाकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पहले भी चालान काटने की कार्रवाई की गई। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में कार से रील बनाकर ट्रैफिक के नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालक का पुलिस ने 45 हजार रुपये का चालान किया था। इससे पहले एक कार का 35 हजार रुपये का चालान किया गया था।

नाईसस फाइनेंस ने एफवाय25 में कुल आय में 56 प्रतिशत वृद्धि के साथ शानदार परिणाम दिए

मुंबई, एजेंसी। नाईसस फाइनेंस सर्विसेज कंपनी लिमिटेड जो शहरी बुनियादी ढांचे और संरचित वित्त में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रमुख निवेश प्रबंधन कंपनी है, ने एच2 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणाम प्रकाशित किए हैं। नाईसस फाइनेंस के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री अमित गोयनका ने कहा- एफवाय25 हमारे लिए रणनीतिक गति और प्लेटफॉर्म विकास का वर्ष रहा। नाईसस फाइनेंस ने रियल एस्टेट और शहरी अवसंरचना में विशेषज्ञता के साथ एक क्षेत्रीय रूप से विविध संपत्ति प्रबंधक बनने के अपने दृष्टिकोण को और मजबूत किया।

जीसीसी क्षेत्र में डीआइएफसी आधारित उपस्थिति स्थापित कर तथा दुबई के जेवीसी और अल फुर्जान जैसे उच्च संभावनाओं वाले आवासीय क्षेत्रों में अधिग्रहण करके हमने सीमा-पार निवेश और दीर्घकालिक स्थायित्व की दिशा में ठोस कदम उठाए। साथ ही, मॉरिशस में एक निवेश वाहन स्थापित कर वैश्विक शहरी अवसंरचना अवसरों के लिए पूंजी संग्रहण की दिशा में भी हमने कदम बढ़ाए। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर हमारे आधार के सशक्त होने से, हम विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम हैं। हमारा 955 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 1,572 करोड़ तक पहुंच गया है।

हमारा एकीकृत बिजनेस मॉडल, जो फंड मैनेजमेंट और ट्रांजैक्शन एडवाइजरी पर आधारित है, बाजार चक्रों में भी निरंतर मूल्य निर्माण कर रहा है। इस वर्ष हमने चार हाई-यील्ड एग्ज़िट्स को सफलतापूर्वक निष्पादित किया, जिनसे 18 प्रतिशत-21 प्रतिशत के बीच आइआरआर प्राप्त हुआ। इन उपलब्धियों के पीछे एक मजबूत गवर्नेंस ढांचा, कुशल टीम और स्केलेबल प्लेटफॉर्म की भूमिका रही है। सलाहकार आय में बढ़ती हिस्सेदारी और वैश्विक पूंजी भागीदारों की बढ़ती भागीदारी हमारे रणनीतिक दृष्टिकोण की पुष्टि करती है।

भारत को मिलने वाले हैं और एस-400 , ऑपरेशन सिंदूर में किया था पाकिस्तान का प्लान फ्लॉप

नईदिल्ली, एजेंसी।
रूस 2025-2026 तक भारत को एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की बाकी इकाइयां देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में रूसी दूतावास के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाबुश्किन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके जवाब में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच छिड़े सैन्य संघर्ष में एस-400 मिसाइल प्रणाली ने बेहद प्रभावी ढंग से काम किया। बाबुश्किन ने वायु रक्षा और ड्रोन रोधी प्रणालियों के क्षेत्र में भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के संकेत भी दिए।

उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, हमने सुना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष के दौरान एस-400 ने बहुत ही प्रभावी ढंग से काम किया। हमारे बीच सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। यूरोप और यहां की स्थिति के मद्देनजर, हम महसूस कर रहे हैं कि वायु रक्षा प्रणाली सामान्य रूप से रक्षा तैयारी में हमारी साझेदारी के सबसे आशाजनक पहलुओं में से एक है। बाबुश्किन ने इस बात की पुष्टि की कि बाकी दो एस-400 इकाइयों के लिए अनुबंध प्रगति पर है और इनकी आपूर्ति सार्वजनिक रूप से घोषित समयसीमा के अनुरूप 2025-26 तक पूरी होने की उम्मीद है। भारत ने 2018 में रूस के साथ एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली के पांच स्क्वाड्रन के लिए 5.43 अरब अमेरिकी डॉलर का सौदा किया था। यह एक अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणाली है, जो लंबी दूरी पर कई हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है। तीन स्क्वाड्रन की आपूर्ति पहले ही की जा चुकी है। रक्षा सहयोग के संभावित विस्तार को लेकर बाबुश्किन ने आगे बातचीत की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, हम वायु रक्षा प्रणालियों पर वार्ता को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए इस साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। बाबुश्किन ने मौजूदा वैश्विक सुरक्षा परिवेश में इस तरह के सहयोग के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। ड्रोन के बढ़ते खतरे का जिक्र करते हुए, खास तौर पर भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान उनके व्यापक इस्तेमाल के मद्देनजर, बाबुश्किन ने ऐसी चुनौतियों का मुकाबला करने में रूस के अनुभव को रेखांकित किया। बाबुश्किन ने कहा, हम कई वर्षों से इस खतरे का सामना कर रहे हैं और मुझे लगता है कि हमारी प्रणालियों का लगातार आधुनिकीकरण किया जा रहा है। मुझे लगता है कि यह दोनों पक्षों के साझा हित में होगा कि इस खतरे का मुकाबला कैसे किया जाए और कुछ अन्य सहयोग कायम किए जाएं। उन्होंने कहा कि ड्रोन रोधी प्रणालियां पहले से जारी भारत-रूस रक्षा वार्ता में शामिल हैं। बाबुश्किन ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की संभावित भारत यात्रा के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन यह किसी भी समय हो सकती है। हम इसके (यात्रा के) इसी महीने होने की उम्मीद कर रहे हैं।

कबड्डी वर्ल्ड कप कैंप में हिमाचल प्रदेश की पांच बेटियां

धर्मशाला, एजेंसी। भारत में होने वाले महिला कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के अंतिम कैंप में सूबे की पांच खिलाड़ी भाग लेंगी। इसमें कबड्डी खिलाड़ी ज्योति ठाकुर, पुष्पा राणा, भावना, चंपा और साक्षी शामिल हैं। इससे पहले 10 से 30 मई तक आयोजित इंडिया कैंप में सूबे की खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने कैंप में अन्य खिलाड़ियों के साथ तालमेल के साथ प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। इसके बाद टीम का चयन होना था। लेकिन महिला कबड्डी विश्व कप की तारीख आगे होने के कारण टीम का चयन नहीं हुआ था। पहले बिहार में 1 से 10 जून तक विश्व कप की तिथि प्रस्तावित थी। अब जब विश्व कप की तिथि घोषित होगी उसके बाद भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। बताया जा रहा है कि अब विश्व कप जुलाई में शुरू हो सकता है। इसके लिए जून के अंतिम सप्ताह में भारतीय महिला टीम का चयन भी किया जाएगा। इसके कुछ दिन पहले भारतीय कबड्डी संघ की ओर से इंडिया कैंप का आयोजन कर टीम का चयन किया जाएगा। इससे पहले भी एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी सूबे की चार खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। उन्होंने देश के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया था। साई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला की कबड्डी कोच पूजा ठाकुर ने कहा कि भारत में होने वाले कबड्डी विश्व

कप में सूबे की चार से पांच खिलाड़ी भारतीय टीम में खेल सकती हैं। अब फाइनल इंडिया कैंप में भी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, भावना, चंबा और साक्षी भाग लेंगी।

राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल के लिए 20 खिलाड़ी चयनित

अंडर-15 वर्ग की राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल प्रतियोगिता के लिए पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सरकाघाट में ट्रायल हुआ। इसमें हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिले के 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के आधार पर 10 लड़के और 10 लड़कियों सहित 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों के लिए कोचिंग कैंप बिलासपुर जिला में 14 से 20 जुलाई तक लगेगा। कैंप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से 7 लड़के और 7 लड़कियों सहित 14 खिलाड़ियों की टीम राष्ट्रीय सब जूनियर प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता स्थल के लिए हिमाचल प्रदेश की टीम 20 जुलाई को रवाना होगी। खिल भारतीय कोर्फबाल संघ के उपाध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव बीआर सुमन ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता 24 से 27 जुलाई को तमिलनाडु के चेन्नई में होगी।

इंडोनेशिया ओपनः

पीवी सिंधु ने नोजोमी ओकुहारा को हराया, लक्ष्य सेन बाहर

जकार्ता, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं, लक्ष्य सेन मंगलवार को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हारकर बाहर हो गए। सिंधु ने एक घंटे 19 मिनट तक चले महिला सिंगल्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को 22-20, 21-23, 21-15 से मात दी। पीवी सिंधु और नोजोमी ओकुहारा के बीच कड़ी टक्कर हुई। इस दौरान कई गेम और मैच प्वाइंट शामिल थे।

शुरुआती गेम में भारतीय शटलर ने दमखम दिखाया। सिंधु ने एक गेम प्वाइंट बचाया और आक्रामक शॉट लगाकर 22-20 से मैच अपने नाम किया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन इंटरवल तक वह 7-11 से पीछे चल रही थीं। इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और पावरफुल क्रॉस-कोर्ट स्मैश के साथ दो मैच प्वाइंट जुटाए, लेकिन बार-बार की गई सिंधु की गलतियों ने ओकुहारा को 20-20 से बराबरी पर ला दिया और जापानी शटलर ने आखिरकार गेम 23-21 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों ने गैर-जरूरी जोखिम से बचते हुए सतर्क रुख अपनाया। सिंधु ब्रेक के समय 11-9 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने अपनी लय हासिल की, लगातार जीत हासिल करते हुए 20-12 से आगे निकल गईं। उन्होंने आठ मैच प्वाइंट जुटाए और पांचवें को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित करते हुए राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया।

मैच के बाद सिंधु ने 14 साल में ओकुहारा के साथ अपने पिछले मुकाबलों को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 14 साल, 20 मैच। मेरे सबसे लंबे से लेकर सबसे छोटे वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल तक, हमेशा उनके साथ। हमने जीत, हार और एक प्रतिद्वंद्विता साझा की है, जिसे केवल हम ही समझते हैं। लड़ते रहो, नोजोमी। आपके बिना कोर्ट कभी भी वैसा नहीं रहता। इस बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप-2021 के सिल्वर मेडलिस्ट लक्ष्य सेन ने चीन के विश्व नंबर 1 शि यू क्यू के खिलाफ अच्छा मुकाबला खेला, लेकिन आखिरकार एक घंटे और पांच मिनट तक चले पहले दौर के पुरुष सिंगल्स मैच में 11-21, 22-20, 15-21 से हार गए। 23 वर्षीय शटलर ने पीठ की चोट से उबरकर मजबूत वापसी की।

इस चोट ने उन्हें पिछले हफ्ते मलेशिया हुए टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। सेन ने दूसरे गेम में 17-11 से पिछड़ने के बाद वापसी की। एक मैच प्वाइंट बचाया और गेम को 22-20 से निर्णायक बना दिया, लेकिन सेन की यह लय बरकरार नहीं रही और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी शि यू की ने तीसरे गेम में कंट्रोल हासिल करते हुए मैच को अपने नाम कर लिया।

नॉर्वे चेसः अर्जुन को हराकर नंबर-2 पर आए गुकेश

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने 7वें दौरे में हमवतन अर्जुन एरिगैसी को हराया। 19 साल के गुकेश ने अर्जुन को पहली बार क्लासिकल चेज में हराया है। गुकेश की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है। उन्होंने पिछले

राउंड में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया था। संघर्षपूर्ण मुकाबले में मिली इस जीत से गुकेश ने एरिगैसी से दूसरे राउंड में मिली हार का बदला चुकता भी किया। पिछले चैंपियन कार्लसन को पीछे छोड़ा गुकेश के अब 11.5 अंक हो गए हैं। उन्होंने नॉर्वे के गत चैंपियन कार्लसन को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना 12.5 अंक लेकर टॉप पर हैं। उन्होंने चीन के वेई यी को हराया। कार्लसन एक अन्य अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और वर्ल्ड नंबर-2 के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के खिलाफ आर्मागेडन में जीत के बाद 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाकामुरा 8.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका हिकारू नाकामुरा पर जीत दर्ज की। वे तीसरे स्थान पर हैं।

भारत में हुआ जन्म, फिर छोड़ा देश, अब न्यूजीलैंड ने दिया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 2025-26 के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है. इस सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में कई नए चेहरे भी देखने को मिले हैं. इसमें भारतीय मूल के खिलाड़ी आदि अशोक भी शामिल हैं. आदि अशोक न्यूजीलैंड की ओर से अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर चुके हैं. उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए अभी तक सिर्फ 3 ही इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं. इस युवा खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड टीम की ओर से अभी तक दो वनडे और एक टी20 मैच खेला है.

आदि अशोक ने दो वनडे मैच में 10 रन बनाए हैं जबकि उन्होंने एक विकेट भी झटका है. टी20 फॉर्मेट की बात की जाए तो इस युवा खिलाड़ी ने एक मैच में 28 के औसत से एक विकेट झटका है. न्यूजीलैंड ने इस साल के कॉन्ट्रैक्ट में 4 नए प्लेयर्स को शामिल किया गया है. आदि अशोक के अलावा इस सूची में मिच हे, मुहम्मद अब्बास और जक फोल्क्स भी शामिल हैं. इस बार की 20 खिलाड़ियों की सूची में पिछले सीजन के चार कॉन्ट्रैक्ट खिलाड़ी टिम साउदी, ईश सोढ़ी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन शामिल नहीं हैं.

2025-26 के लिए न्यूजीलैंड की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सूची

मुहम्मद अब्बास, आदि अशोक, टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जक फोल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विलियम ओरूर्क, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, विल यंग.

आदि अशोक ने किया बड़ा खुलासा

युवा स्पिनर आदि अशोक ने कहा, 'मेरा परिवार न्यूजीलैंड तब आ गया था जब मैं 4 साल का था. तब से ही मैं न्यूजीलैंड को अपना घर बोल रहा हूं. मेरा हमेशा से यह सपना रहा है कि मैं इंटरनेशनल क्रिकेट में न्यूजीलैंड की ओर से भाग लूं.' भारतीय मूल आदि अशोक को 2023 में डेब्यू के बाद पहली बार टीम में वापसी मिली है. वहीं मिच हे और मुहम्मद अब्बास ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत शानदार प्रदर्शन से की. हे ने नवंबर में श्रीलंका दौरे पर टी20 डेब्यू के दौरान छह शिकार करके विकेटकीपिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, वहीं अब्बास ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे डेब्यू पर महज 26 गेंदों में 52 रन ठोक कर इतिहास रच दिया था.

वैभव सूर्यवंशी को मिलेगा IPL का बड़ा अवॉर्ड?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का अब अंत होने जा रहा है. इस सीजन में कई युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया. हालांकि, बिहार के 14 साल के सनसनीखेज बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा, वह इस बार सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहे. राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले वैभव अब आईपीएल 2025 के जमकर रन बनाए. वह बड़े-बड़े गेंदबाजों पर भारी पड़े. अब वह आईपीएल का एक बड़ा अवॉर्ड जीतने की रेस में भी हैं.

बिहार के समस्तीपुर जिले के ताजपुर गांव में 27 मार्च 2011 को जन्मे वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है. सिर्फ 14 साल की उम्र में, वैभव ने न केवल आईपीएल में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड बनाया, बल्कि टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. 19 अप्रैल 2025 को, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 14 साल और 23 दिन की उम्र में डेब्यू करते हुए, वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर

अपनी आक्रामक शैली का परिचय दिया.

इसके बाद, 28 अप्रैल 2025 को गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव ने 38 गेंदों में 101 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 11 छक्के और 7 चौके शामिल थे. यह शतक केवल 35 गेंदों में आया, जो आईपीएल में क्रिस गेल के 30 गेंदों के शतक के बाद दूसरा सबसे तेज शतक है और किसी भारतीय की ओर से सबसे तेज शतक है. इस पारी ने वैभव को रातोंरात स्टार बना दिया और सोशल मीडिया पर उनकी तारीफों के पुल बांधे गए. वह अब आईपीएल का इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड जीतने के सबसे बड़े दावेदारों में से एक हैं.

● किसे दिया जाता है इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड?

आईपीएल का इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड उन युवा खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिनका जन्म 1 अप्रैल 1999 या उसके बाद हुआ हो, 5 टेस्ट या 20 वनडे से ज्यादा न खेले हों, सीजन शुरू होने से पहले 25 से कम आईपीएल मैच खेले हों और पहले यह अवॉर्ड न जीता हो. वैभव इन सभी मानदंडों पर खरे उतरते हैं. इस सीजन में उन्होंने 7 पारियों में 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है, और उनका स्ट्राइक रेट 206.55 रहा. हालांकि, इस अवॉर्ड की रेस में एक बड़ा नाम साई सुदर्शन का भी है. उन्होंने इस सीजन 15 मैचों में 759 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैप जीतने की रेस में भी सबसे आगे हैं.

आखिरी गेंद पर बल्लेबाज हो गया रनआउट फिर भी जीत गई टीम, हुआ करिश्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 2023-27 के शानदार मैच में नेपाल ने स्कॉटलैंड को 1 विकेट से हराया. इस मैच में नेपाल की ओर से बेहतरीन खिलाड़ी करण के.सी. ने धमाकेदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. करण के.सी. ने सिर्फ बल्ले से ही नहीं बल्कि गेंदबाजी से भी फैंस का दिल जीत लिया. वहीं मैच की आखिरी गेंद पर कुछ ऐसा हुआ जिसको देख सभी फैंस हैरान रह गए.

आखिरी गेंद पर नेपाल ने जीता मैच

बता दें कि, आखिरी गेंद पर नेपाल को 1 रन की जरूरत थी. स्कॉटलैंड के स्पिनर मार्क वॉट ने वाइड गेंद फेंकी जिसपर नेपाल का बल्लेबाज रनआउट तो हो गए लेकिन अंपायर का फैसला देखने के बाद नेपाल टीम उत्साहित हो गई. अंपायर ने वाइड का फैसला दिया और नेपाल ने मुकाबले को 1 विकेट से जीता क्यूंकि उन्हें 1 रन की ही जरूरत थी जो उन्हें वाइड से मिल गया.

करण के.सी. ने की बेहतरीन गेंदबाजी

इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 296 रन बनाए. टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज चार्ली टीयर ने 80 रन की पारी खेली जबकि फिनले मैक्रेथ ने 55 रन का योगदान दिया. चार्ली टीयर ने अपनी 80 रन की पारी के दौरान 12 चौके और एक छक्का जड़ा. कप्तान रिची बैरिंगटन ने 40 रन बनाए. नेपाल की ओर से करण के.सी. ने घातक गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 43 रन देकर दो विकेट हासिल किए. उन्होंने इस मैच में स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बैरिंगटन को आउट किया जबकि चार्ली टीयर को भी नेपाल के गेंदबाज ने वापस पवेलियन की राह दिखाई.

करण के.सी. ने बल्ले से भी दिखाया कमाल

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल टीम ने एक समय 192 रन पर 7 विकेट खो दिए थे. हालांकि, करण के.सी. ने गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी कमाल दिखाया और अपनी टीम के लिए 41 गेंद पर 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 65* रन की बहुमूल्य पारी खेली. करण के.सी. ने पहले गुलशन झा के साथ आठवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की. गुलशन झा ने इस मैच में 42 रन का योगदान दिया. इसके अलावा उन्होंने संदीप लामिछाने के साथ मिलकर 9वें विकेट के लिए 38 रन जोड़े. करण ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए फैंस का दिल जीत लिया. नेपाल की ओर से कुशल भूर्तल ने 53 रन की पारी खेली जबकि कप्तान रोहित पौडेल ने 37 रन बनाए.

अब 5 जुलाई को होगा नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट

दुनिया के 12 बड़े खिलाड़ी फेंकेंगे भाला

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी. आयोजकों ने मंगलवार को यह घोषणा की. भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण पिछले महीने इस इवेंट को स्थगित कर दिया गया था. भारत में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को आयोजित की जानी थी. इस प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा द्वारा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है. इसे भारतीय एथलेटिक्स

महासंघ (एएफआई) से मंजूरी मिली हुई है. श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे. इनमें दुनिया के 7 सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी और चोपड़ा सहित 5 भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं. चोपड़ा के अलावा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं. इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैम्पियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर), जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर (93.90 मीटर), केन्या के 2015 के विश्व चैम्पियन जूलियस येगो (92.72 मीटर), अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर), जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन (84.28 मीटर), श्रीलंका के रुमेश पथिरेज (85.45 मीटर) और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा (86.34 मीटर) शामिल हैं. विश्व एथलेटिक्स से श्रेणी ए का दर्जा प्राप्त इस प्रतियोगिता का आयोजन पहले पंचकूला में होना था, लेकिन सीधे प्रसारण के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण इसकी मेजबानी बेंगलुरु को सौंपी गई.

आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी. इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं. थ्रोअर रनवे के पास एक विशेष स्टैंड की कीमत 9,999 रुपये है, जबकि रनवे के ठीक पीछे स्थित नॉर्थ अपर स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड 2,999 रुपये में उपलब्ध है.

संक्षिप्त समाचार

श्रीमती ठाकुर आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित रेडी टू ईट वितरण कार्यक्रम में हुई शामिल

धार (निप्र)। राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग भारत सरकार श्रीमती सावित्री ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में जिले की धरमपुरी परियोजना अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र गुलझरा धामनोद के आंगनबाड़ी केंद्र में रेडी टू ईट का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती ठाकुर ने अपने विचार व्यक्त कर हितग्राहियों के अभिभावकों के लिए रेडी टू ईट का वितरण किया। रेडी टू ईट फूड में आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जो बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते है। इसी के साथ ही श्रीमती ठाकुर द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया एवं अभिभावकों के साथ में आए हुए बच्चों के लिए उपहार प्रदान किए गए। इस दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम गोठड़ा में कान्ह नदी पर बैराज का निर्माण प्रारंभ किया गया

उज्जैन (निप्र)। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग ने जानकारी दी कि उज्जैन, इंदौर एवं सांवेर क्षेत्र में वर्षा होने तथा कान्ह नदी में अत्याधिक पानी की आवक होने के कारण सुरक्षा एवं नियंत्रण की दृष्टि से विगत 29 मई को त्रिवेणी पर बने अस्थायी मिट्टी के बांध में कट लगाकर पानी की निकासी की गयी। कान्ह नदी डाईवर्शन योजना द्वारा क्षमता अनुसार कान्ह नदी का पानी व्यपवर्तित किया जा रहा है। आगामी 5 जून को गंगा दशमी पर कान्ह नदी के पानी को शिप्रा नदी में मिलने से रोकने के लिए त्रिवेणी पर अस्थायी मिट्टी के बांध को पुनः बना कर तैयार कर दिया गया है। नमामि शिप्रे परियोजना क्रियान्वन इकाई द्वारा कान्ह नदी पर ग्राम गोठड़ा में बैराज का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे भविष्य में अस्थायी मिट्टी के बांध की आवश्यकता नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता की अंतिम कक्षा आयोजित

उज्जैन (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड घटिया जिला उज्जैन में रविवार को मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की अंतिम कक्षा का आयोजन किया गया। इस अवसर संभाग समन्वयक श्री शिव प्रसाद जी एवं जिला समन्वयक श्री जय जी दीक्षित विशेष रूप से उपस्थित रहे। आदरणीय संभाग समन्वयक महोदय द्वारा इस अवसर पर छात्रों से चर्चा करते हुए वर्षभर में उनके द्वारा प्रयोगशाला ग्रामों में की गई गतिविधियों से ग्रामों में क्या प्रभाव पड़ा एवं आमजन को क्या –क्या लाभ पहुंचे तथा प्रयोगशाला ग्रामों में पाठ्यक्रम से होने प्रभावों पर जानकारी प्राप्त की साथ ही छात्रों को स्वरोजगार प्राप्त करने हेतु किए जाने वाले प्रयासों को भी बताया गया। जिला समन्वयक श्री जय जी दीक्षित द्वारा छात्रों से परीक्षा की तैयारी, प्रदत्त कार्य, प्रॉजेक्ट वर्क एवं ग्राम प्रोफाइल आदि पर चर्चा करते हुए अग्रिम शुभकामनाएं दी गई। अंत में परामर्शदाता श्री राजेंद्र जी सोनी द्वारा*विश्व तंबाखू निषेध दिवस 31मई* के अवसर पर छात्रों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई।

कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने चारा एवं भूसे के निर्यात पर 30 जून तक प्रतिबंध लगाया

मंदसौर (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती अदिती गर्ग ने जिले में चारा एवं भूसे के निर्यात को रोकने के लिए पर 30 जून तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। मंदसौर जिला अंतर्गत चारा/भुसा के निर्यात होने व अन्य कारणों से पशुओं के भुसा एवं चारा आदि की कमी होने की आशंका है। जिले मे उत्पादित भुसा एवं चारे को पशुओं हेतु पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति एवं संग्रहण करना आवश्यक है। म0प्र0 पशु चारा (निर्यात नियंत्रण) आदेश 2000 के निहित प्रावधानों के अधीन प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए पशुओं के आहार में आने वाले सभी प्रकार के चारा, भुसा, घास, ज्वार आदि पशु चारे का उपयोग ईट भट्टे में जलाने, फैक्ट्रियों में जलाने एवं जिले की सीमा से बाहर निर्यात को तत्काल प्रभाव से 30 जून 2025 तक के लिए प्रतिबन्ध लगाया गया है। समस्त प्रकार के भुसा, चारा, घास, कड़वी आदि को कोई भी कृषक, व्यापारी, व्यक्ति या निर्यातक संस्था किसी भी प्रकार के वाहन, नाव, मोटर–ट्रक, बैलगाड़ी एवं रेल्वे अथवा अन्य साधन द्वारा जिले के बाहर बिना कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की लिखित अनुमति के निर्यात नहीं करेगें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

जन सुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी शिकायतें

जबलपुर दैनिक द लुक। आम जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आज मंगलवार दिनॉक 3-6-2025 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) द्वारा जन सुनवाई की गयी। जन सुनवाई में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के शिकायतकर्ता पुलिस कार्यालय में आये थे, अधिकांश शिकायतें पति-पत्नि/पारिवारिक एवं जमीन सम्बंधी विवाद, मारपीट तथा सायबर अपराध से सम्बंधित 60 शिकायतें थी।

आपके द्वारा समस्त शिकायतकर्ताओं को शीध्र शिकायतों पर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु आश्वस्त किया गया तथा जन सुनवाई में प्राप्त समस्त शिकायतों का त्वरित निराकरण समय सीमा मे करने हेतु सम्बंधित थाना प्रभारियों/राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री आनंद कलादगी (भा.पु.से.), नगर पुलिस अधीक्षक माढ़ोताल श्री बी.एस.गोटरिया एवं उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमति आकांक्षा उपाध्याय उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) के निर्देश पर समस्त राजपत्रित अधिकारी कार्यालय, शहर एंव देहात के थानों एवं चौकी में जनसुनवाई करते हुये शिकायतकर्ताओं की शिकायतें सुनी गयी।

जनसुनवाई में आये 188 आवेदन

जबलपुर दैनिक द लुक। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों ने एसडीएम श्री अभिषेक सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र अहके, श्री धीरेन्द्र सिंह व नदीमा शीरी को अपने विभिन्न समस्याओं को लेकर 188 आवेदन दिये। जिसमें 149 नये आवेदन हैं तथा 39 ऐसे आवेदन है जो पूर्व में भी आ चुके थे।

जनसुनवाई में आये ज्यादातर नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अतिक्रमण, लड़ाई- झगड़ा, छात्रवृत्ति भुगतान, पानी, नाली निर्माण, पट्टे दिलाने, धान के भुगतान करने, आर्थिक सहायता, पीएम किसान योजना में नाम जोड़ने, अभिलेख दुरूस्त करने, किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, शिक्षा, समग्र आईडी, चिकित्सा सहायता, पेंशन, संबल राशि दिलाने, छात्रावास से सम्बन्धित आदि से संबंधित आवेदन थे।

शहर के चारों तरफ अतिक्रमण हटाने की गई कार्रवाई

जबलपुर दैनिक द लुक। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के आदेशानुसार शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। शहर में जहॉं-जहॉं भी अतिक्रमण हुए हैं और यातायात बाधित हो रहा है इस बात को दृष्टिगत रखते हुए लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अतिक्रमण शाखा के अधिकारियों एवं सभी दल प्रभारियों के द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आज भी की गयी। इस संबंध में सहायक अतिक्रमण अधिकारी सागर बोरकर ने बताया कि आज आधारताल मार्केट से धनी की कुटिया, अमखेरा रोड से खजुरी बायपास, होम साइंस कॉलेज से मदन महल, मदन महल से होते हुए गेट नंबर 4 से होते हुए 2 नंबर गेट रानीताल, महाराजपुर व्हीकल मोड़ चौक से होते हुए गोल बाजार, मालवी चौक, एमएलबी स्कूल एवं ज्योति टॉकीज के चारों तरफ अतिक्रमण हटाने एवं फूटपाथों से भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई तथा सामग्री, ठेले, टपरे आदि जप्त की गई तथा मुनादी भी कराई गई कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया जाता है तो दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार रहेगें।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

बिजासन टेकरी के मेला क्षेत्र के सफाई को लेकर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिए गए

इन्दौर (निप्र)। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में गत दिवस सभी स्टेकहोल्डर के साथ विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में एडीएम श्री रोशन राय, विमानतल निदेशक श्री विपिनकांत सेठ, सीनियर कमांडेंट सीआईएसएफ श्री दलाई जी, एसीपी श्री विवेक चौहान, सीएमएचओ श्री बी.एस. सैत्या, एयरपोर्ट मैनेजर श्री अमोल ठाकुर तथा नगर निगम, बीएसएफ एवं विमानतल सुरक्षा संबंधी अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि पंछियों के हवाई जहाज से टकराने के कारण होने वाले हादसे के संबंध में 10 किलोमीटर की परिधि में आने वाले क्षेत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से अवेयरनेस का काम किया जाए। बिजासन टेकरी के मेला क्षेत्र के सफाई को लेकर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिए गए। वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गये कि प्रचालन क्षेत्र में मिलने वाले सियार, जंगली बिल्ली जैसे वन्य जीवों के नियंत्रण हेतु विमानतल प्रबंधन की सहायता करें और इन जीवों को रिलोकेट करें।

बैठक में विमानतल प्रबंधन ने पेड़ों के सुरक्षित प्रबंधन के लिये नगर निगम को धन्यवाद दिया। नगर निगम द्वारा मानसून के पूर्व ही समय से विमानतल क्षेत्र में पेड़ों की सुरक्षित छंटाई कर दी गई है। बैठक में नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समय-समय पर पेड़ों की छंटाई का कार्य निरंतर कराया जाये। बैठक में विमानतल विकास से संबंधित कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

खण्डवा ने जल संचय में रचा कीर्तिमान

जल शक्ति अभियान के तहत 1.29 लाख से अधिक संरचनाओं का किया निर्माण

खण्डवा (निप्र)। भारत सरकार के जल शक्ति अभियानः कैच द रेन के तहत शुरू की गई जल संचय, जन भागीदारी पहल में खण्डवा जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण के तहत इस अभियान का उद्देश्य वर्षा जल संचयन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है, जिसका मंत्र है जहां गिरे, जब गिरे - वर्षा का जल संचित करें।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा ने बताया कि खण्डवा जिले में इस अभियान के अंतर्गत मनरेगा, 15वां वित्त आयोग, 5वां वित्त आयोग, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व और विशेष रूप से जनसहयोग के माध्यम से 1,29,046 से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण और पंजीकरण किया गया है। इनमें 12,750 रिचार्ज पिट, 1,500 रिचार्ज शाफ्ट, 23,570 डगवेल, 5,780 बोल्डर चेकडैम, 1,256 बोल्डर वॉल, 3,960 बोरी बंधान, 7,455 पत्थर/मिट्टी के फील्ड बंधान, 5,500 गली प्लग, 3,269 नाला ट्रेंच, 6,528 हैंडपंप रिचार्ज, 39,000 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग, 58 चेकडैम/स्टॉपडैम/तालाब, 4,800 पोखर तालाब, 2,275 ड्रेन वर्क, 1,500 खेत तालाब, 68 कंटूर ट्रेंच, 750 सूखे बोर रिचार्ज, 2,462 जीर्णोद्धार कार्य और 6,560 अन्य जल संरक्षण संरचनाएं शामिल हैं। इसी के साथ खंडवा केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की रैंकिंग सूची में नंबर वन रहा है।

उन्होंने बताया कि यह अभियान 6 सितंबर 2024 को जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग द्वारा शुरू किया गया। यह कम लागत और वैज्ञानिक तरीकों से भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इसका मुख्य लक्ष्य सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से जल संकट और भूजल ह्रास जैसी चुनौतियों का समाधान करना है। खण्डवा जिले ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसमें न केवल भूजल स्तर में सुधार हुआ है, बल्कि वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा को मजबूत किया गया है।

उन्होंने कहा कि जल शक्ति अभियान के तहत खण्डवा में निर्मित संरचनाएं जैसे बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रूफटॉप वर्षा जल संचयन, और जलाशयों का पुनरुद्धार, दीर्घकालिक और सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा दे रही हैं। जिला प्रशासन, स्थानीय समुदायों, और विभिन्न संगठनों के सहयोग से यह अभियान जल संरक्षण के लिए एक जन आंदोलन बन गया है।

पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन बने श्री प्रमोद वर्मा

जबलपुर दैनिक द लुक। आज दिनांक 3/6/2025 को पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन श्री प्रमोद वर्मा (भा.पु.से.), द्वारा पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन, जबलपुर

का पदभार ग्रहण किया गया। आप 2001 बैच के आई.पी.एस. अधिकारी है। इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक, जबलपुर रेंज श्री अतुल सिंह (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय, (भा.पु.से.) तथा कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत युवा खिलाड़ियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए

रतलाम (निप्र)। भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष 26 जून को अन्तर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर मद्यपान, मादक पदार्थ एवं उनके द्रव्यों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से युवा, छात्र-छात्राओं, आमजन को अवगत कराकर उनमें जागरूकता लाने हेतु राज्यों, जिलों और शैक्षणिक संस्थानों में जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाता है।

इसी अनुक्रम में इस वर्ष भी नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत 26 जून अन्तर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर 1 जून से 26 जून 2025 तक मद्यपान, मादक पदार्थ एवं उनके द्रव्यों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से युवा, छात्र-छात्राओं, आमजन को अवगत कराकर उनमें जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्त भारत अभियान की गतिविधि, केलेण्डर एवं सुझावात्मक गतिविधि की जायेगी।

रतलाम में अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम नेहरू स्टेडियम में आशुतोष क्रिकेट क्लब के खिलाड़ियों के बीच आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं को नशे के सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री रत्नेश विजयवर्गीय, क्रीड़ा भारती सचिव श्री अनुज शर्मा, परामर्शदाता श्री राजेश सोलंकी, आशुतोष क्रिकेट क्लब के श्री राजेश हैरिस, श्री देवराज यादव, श्री संजय पंवार, श्री निर्मल हाडा सहित सृष्टि समाज सेवा समिति के श्री सतीश टांक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मंदसौर में एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर पूरे जोश के साथ जारी

मंदसौर (निप्र)। पिछले पाँच दिनों से मंदसौर में चल रहा राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ जारी है। कठिन मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, कैडेट्स और स्टाफ पूरे समर्पण के साथ प्रशिक्षण में जुटे हुए हैं और उनका मनोबल उच्च बना हुआ है। अब तक कैडेट्स ने योग, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार संचालन और फायरिंग जैसी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की है। इसके साथ ही उन्हें प्राथमिक उपचार, ट्रैफिक नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, नेतृत्व कौशल और सैन्य संगठन की बुनियादी जानकारी भी दी गई।

कैडेट्स को आधुनिक उपकरणों के बिना दिशा-ज्ञान, घात लगाना और अन्य सामरिक कार्यों की बारीकियों का भी अभ्यास कराया गया है, जिससे उनकी मैदानी दक्षता और आत्मनिर्भरता को मजबूती मिले। इतिहास के प्रति गर्व और जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से कैडेट्स को यशोधर्मन विजय स्तंभ का शैक्षिक भ्रमण कराया गया, जिससे वे मालवा की गौरवशाली विरासत से परिचित हो सकें। आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयार करने हेतु, कैडेट्स को अग्निशमन तकनीकों और जलन के उपचार का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 300 वर्ष पुरानी बावड़ी पर श्रमदान कर सफाई की गई

उज्जैन (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा बड़नगर के ग्राम बमनापति में विद्यार्थियों के लिए जागरुकता हेतु कक्षा का आयोजन करवाया गया। परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति ने जल बचाने के जतन अवश्य करना चाहिए। इसी के तहत छात्रों एवं ग्रामीण जनों के साथ ग्राम में जल संवर्धन का संदेश देते हुए रैली भी निकाली गई।

गांव के सरपंच श्री राठौर ने बताया कि गांव में लगभग 300 वर्ष पुरानी पक्का पाल वाली बावड़ी है जिसे इमली वाली बावडी के नाम से भी पहचाना जाता है। इस बावड़ी से किसी समय पूरा गांव पानी पीता था एवं किसान भी कृषि कार्य में इसका पानी उपयोग करते थे। डोल ग्यारस पर सभी ग्रामीण जन भगवान श्री

कृष्ण को यहां लाकर स्नान करवाते थे। आज बावडी लुफ्त प्राय हो चुकी है। इस जानकारी पर सभी बावडी पर पहुंचे और वहां करीब 3 घंटे श्रमदान कर बावडी की रंगत बदल दी। सरपंच श्री राठौर ने कहा कि आने वाले समय में इस बावड़ी को पुनः अपना पुराना वैभव दिलाने का प्रयास सभी ग्रामीण जनों के साथ करेंगे। उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, प्रस्फुटन समिति सदस्य एवं ग्रामीण जन ने जल संवर्धन की शपथ ली। कार्यक्रम में उपसरपंच राज भनोपिया, समर सिंह चौहान, मानसी अंजना जितेंद्र शर्मा, प्रिंस राठौर, प्रवीण राठौर, अंकित राठौर, हर्ष अंजना, बहादुर आंजना, पवन अंजना दीपक खरीवाल, रोहित खरीवाल, सज्जन सिंह चौहान, अंकित सेन, पप्पू कामदार, चेतन सिसोदिया, नारायण आंजना, विक्रम, मेंटर्स जीवन शर्मा, दिनेश पाठक, आशुतोष शर्मा, नवांकुर संस्था से इंदर सिंह भाटी, मुकेश शर्मा, शुभम जायसवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पुलिस विभाग के दिशा लर्निंग सेंटर में किशोरो को दिया तंबाकू निषेध का संदेश

बडवानी (निप्र)। पुलिस उपमहानिरीक्षक कम्युनिटी पुलिसिंग भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक जिला बड़वानी के संयोजन में पुलिस विभाग के दिशा लर्निंग सेंटर पर सृजन अभियान अंतर्गत डेढ़ सौ किशोरो के साथ विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग के तत्वाधान में तथा आशाग्राम ट्रस्ट के द्वारा विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई। जिनमें मुख्य रूप से चित्रकारी प्रतियोगिता जिसमें धूम्रपान के दुष्प्रभाव का मानव जीवन पर प्रभाव आधारित कैनवास पर किशोर बालक बालिकाओं के द्वारा आकृति उकेरी गई। आशा ग्राम ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं के द्वारा तंबाकू का मानव शरीर के कोमल अंगों पर किस तरीके से दुष्प्रभाव पड़ता है इसे प्रदर्शित करने के लिए कार्यकर्ताओं के द्वारा स्व निर्मित एक डेमो प्रस्तुत किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारीगण एवं आशा कार्यकर्ताओं को मिल रहा है एफ.टी.के माध्यम से जल गुणवत्ता प्रशिक्षण

उज्जैन (निप्र)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत उज्जैन जिले के 04 नल जल योजनाओं को पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यंत्र की विभाग, जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान भोपाल और यूनिसेफ मध्यप्रदेश के सहयोग से जिले की 04 नल जल योजनाओं को समुदाय संचालित आदर्श नल जल योजना बनाया जा रहा है जिसके अन्तर्गत समुदाय को सशक्त बनाना, संस्थागत क्षमता बढाना तथा स्थायी जल प्रबंधन प्रथाओं को बढावा देना।

इसी कडी में उज्जैन ब्लॉक के लक्षित ग्राम गंगेडी के उप स्वास्थ्य केंद्र की सीएचओ आशा कार्यकता आगनवाडी कार्यकताओं और ग्रामीण महिलाओं के लिये एफ. टी. के. के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उप स्वास्थ्य केन्द्र पर

किया गया।

प्रशिक्षण में परियोजना जिला फेसिलिटेटर गोपाल गुप्ता द्वारा प्रशिक्षण के उद्देश्य और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारीगण एवं आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगमी योजना पर विस्तार से चर्चा की गई तथा दूषित जल से होने वाली बीमारियों पानी जॉच की विधियों तथा माध्यमों तथा एफ.टी.के. माध्यम की जाने वाली जांचो का विवरण को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

एफ.टी.के. से डेमो देकर पानी की विभिन्न जॉचो और उनके मानको तथाा पैरामीटर को जॉच करते हुये बताया गया साथ ही प्रशिक्षणार्थीयो दारा भी जांच की गई। साथ ही जल के नमूने को लेने के तरीकों और सावधानियों और प्रकिया के बारे में जानकारी दी गई। सीएचओं श्रीमती शैलु नरबरिया ने दूषित पानी से होने वाली बिमारीयों के बारे में तथा नियमित जल परीक्षण के लिए सभी को समझाइष दी गई। ग्राम फेसिलिटेटर श्री राकेश चौहान कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वॉलंटियर्स ने विश्व तम्बाकू दिवस पर तम्बाकू के उत्पाद के सेवन से होने वाले नुकसान आदि के संबंध में दी जानकारी

खण्डवा (निप्र)। विश्व तम्बाकू दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खण्डवा के अध्यक्ष व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती ममता जैन के मार्गदर्शन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खण्डवा के सचिव श्री पियूष भावे के समन्वय से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खण्डवा के पैरालीगल वालंटियर्स श्री गणेश कनाडे, श्रीमती दिव्या तिरौले, द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ग्राम सिंगोट, पैरालीगल वालंटियर्स श्रीमती अजंना लखमारे व श्रीमती नेहा बेरागी द्वारा पदमकुंड वार्ड खण्डवा, पैरालीगल वालंटियर्स सुश्री प्राप्ति वर्मा द्वारा ग्राम कोरगला व पैरालीगल वालंटियर्स सुश्री मनीषा द्वारा ग्राम पाटाखाली में, पैरालीगल वालंटियर्स श्री सत्यप्रकाश

मिश्रा द्वारा ग्राम पाडल्या व पैरालीगल वालंटियर्स श्रीमती रूपाली सेन द्वारा ग्राम भावसिंह पुरा में जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

उक्त कार्यक्रम के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खण्डवा के पैरालीगल वालंटियर्स द्वारा लोगों को तम्बाकू व उसके उत्पाद के सेवन से होने वाले दुष्परिणाम, व उसके बचाव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि तम्बाकू का नशा मनुष्य के विनाश का कारण है। यह मनुष्य को आर्थिक, मानसिक व सामाजिक रूप से कमजोर करता है। नशा कहीं न कहीं अपराध का जनक होता है, जिसके प्रभाव से मनुष्य अपना मानसिक संतुलन खो कर अपराधिक गतिविधि की तरफ बढ़ जाता है। साथ ही तम्बाकू व उससे बने उत्पादन का सेवन करने वाला व्यक्ति नशे के कारण अपना बहुमूल्य जीवन को भी संकट में डालकर अपने स्वयं व अपने परिवार के भविष्य को प्रभावित कर देता है।

जना स्मॉल फाइनेंस बैंक का कर्मचारी बना ठगः समूह लोन के नाम पर सैकड़ों महिलाओं को लूटा

खबर का हुआ असर : दिनेश पटेल को वर्तमान बैंक से भी निकाला गया लेकिन जांच से दूर धोखेबाज आरोपी...

अनिमेष मिश्रा

जबलपुर दैनिक द लुक। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक एक भारतीय निजी बैंक है,जो मुख्य रूप से उन लोगों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है जो पारंपरिक बैंकों से वंचित रह जाते हैं, जैसे कि छोटे व्यवसाय, निम्न-आय वर्ग, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोग। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक जो कि छोटे बैंकों की श्रेणी में आता है,जिसका काम होता है फाइनेंस करना एवं खाता धारकों के लिए लोन अप्रूव करना लेकिन इन दिनों जबलपुर संभाग में अनेकों बैंकों की ब्रांचो में एक नया और आम जनता की समझ से बाहर एक षड्यंत्र चल रहा है, जिसका शिकार खुद उक्त बैंक जना स्मॉल फाइनेंस के कर्मचारी कर रहे है और अपने बैंक को ही चूना लगवाने में सहयोग कर रहे हैं।

दरअसल सूत्रों के अनुसार जना स्मॉल फाइनेंस बैंक कटनी जिले की ब्रांच करौंदी नामक एक गांव में स्थित है जहां दिनेश पटेल नाम का एक कर्मचारी उक्त बैंक में लोन अप्रूव कराने जैसे पद पर साल 7 जुलाई 2021 में उक्त बैंक जना स्माल में ज्वाईन करके कार्य कर रहा था जिसकी धोखाधड़ी की पोल डेढ़ साल बाद खुलती है और पता लगता है कि 2023 जनवरी में जना स्मॉल फाइनेंस बैंक, कटनी (करौंदी) से कर्मचारी दिनेश पटेल को टर्मिनेट / निष्कासित कर दिया जाता है।

कैसे ठगी करता था,दिनेश पटेल

सूत्र यह बताते हैं कि उक्त बैंक में कार्यरत दिनेश पटेल ने तकरीबन 80 से 90 महिलाओं को कटनी जिले के करौंदी इलाके में रहते हुए ही जना स्माल फाईनेंस बैंक समूह लोन के नाम पर मूर्ख बनाकर उनसे लाखों रुपए की रकम ऐठ ली और अपने पास रख ली जब इस बात की खबर उक्त बैंक को लगी तो जना बैंक ने इस घटना से अपना पल्ला झाड़ने और खाना पूर्ति करने के लिए उक्त कर्मचारी दिनेश पटेल को जना स्माल बैंक से निकाल दिया.... जबकि नियम यह कहता है कि मामला थाने तक पहुंचना चाहिए था....लाखों रुपए की धोखाधड़ी हुई तो आरोपी पर आखिर क्या कार्यवाही की गई या किसी प्रकार की जांच कमेटी बिठाई गई अथवा नहीं ?

महिलाओं के सपने टूटे

जिन सैकड़ों महिलाओं के साथ दिनेश पटेल ने धोखाधड़ी करके लाखों रुपयों का गोलमाल किया उन सभी पीड़ित महिलाओं को किसी प्रकार की राहत नहीं मिली और समूह लोन के नाम पर सभी महिलाओं के बड़े - बड़े सपनों को चकना चूर कर दिया कई महिलाओं ने समूह लोने के नाम पर परिवार का भला करने की सोच रखी हुई थी यह सभी सपने उन महिलाओं के चूर - चूर हो गए।

इस मामले को बैंक ने साइलेंट मोड पर रखकर रफा-दफा कर दिया जिससे किसी भी आम व्यक्ति को उक्त बैंक की सच्चाई का पता ना चल पाए।

खबर का असर

दैनिक द लुक समाचार पत्र में इसके पूर्व भी जना बैंक में काम करने वाले दिनेश पटेल से संबंधित खबर लगाई गई थी जिसमें दिनेश के जना बैंक को ज्वाइन करने से लेकर बैंक से निकाले जाने तक सभी तरह से पक्षों को रखा गया था जिसके फलस्वरुप सूत्र यह दावा कर रहे है कि खबर का असर हुआ है जिससे दिनेश पटेल को वर्तमान बैंक यू ग्रों कैपिटल की कटनी ब्रांच से भी निकाला गया लेकिन दिनेश पटेल अभी भी जांच से कोसो दूरी पर है जो कि इशारा करता है कि कटनी यूग्रो बैंक में ग्राहकों के साथ भी धोखाधड़ी जैसी घटना को अंजाम दिया जा सकता हैं।

कार्यवाही के नाम पर निष्कासन

सूत्रों के हवाले से यह पता लगता है कि जना स्माल फाईनेंस बैंक के अधिकारियों ने उक्त बैंक के कर्मचारी दिनेश पटेल पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई और न ही किसी तरह से ठोस कदम उक्त बैंक के द्वारा उठाया गया... जिससे स्पष्ट होता है कि इस घोटाले में कटनी जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के कर्मचारियों के साथ ब्रांच मैनेजर एवं अन्य पदाधिकारी की भी जोरदार साथ गांठ रही हैं और उक्त बैंक में जिन महिलाओं के साथ लाखों रूपयों की धोखाधड़ी हुई ना तो उनकी कहीं सुनवाई हुई और ना ही उनकी रकम का मुआवजा या फिर उनके पैसों की भरपाई तक नहीं की गई।

वर्तमान में यूग्रो बैंक में पदस्थ दिनेश पटेल

जना स्माल फाईनेंस बैंक में काम करने के बाद कर्मचारी दिनेश पटेल ने कटनी जिले के ही यूग्रो (ugro capital) बैंक में ठीक जना बैंक की तरह ही एक नई और नौकरी हासिल कर ली जानकार बताते है कि नियम यह कहता है कि किसी भी बैंक में काम करने वाले कर्मचारी की नई ज्वाईनिग के समय उसका वैरीफिकेशन करना होता है जिसमें तमाम बातों का ख्याल रखा जाता है जैसे कर्मचारी पर किसी तरह की एफआईआर थाने में दर्ज तो नहीं है अथवा कर्मचारी पूर्व में जिस स्थान पर नौकरी करता था उस जगह से कर्मचारी को हटाने के पीछे का क्या कारण है क्योंकि यदि कर्मचारी डिफाल्टर साबित होता है तो यह बैंक अथवा जिस संस्थान में वह काम कर रहा होता है उस संस्थान की छवि पर भी सवाल उठते है इसलिए संस्थान कमर्चारियों के बैकग्राउंड की जांच भी करती है।

लेकिन इस मामले में तो उल्टा ही हुआ और दिनेश पटेल के द्वारा किये गए रुपयों की हेर फेर का पता जान बूचकर यू ग्रो कैपिटल कटनी ब्रांच के अधिकारियों के द्वारा उक्त व्यक्ति के विषय में जानकारी होने के बावजूद भी कुछ नहीं किया गया जबकि दिनेश पटेल ugro capital में काम कर रहा है

सूत्र दावा करते हैं कि यूग्रो कैपिटल में कार्यरत अन्य ब्रांच के अधिकारियों ने कटनी जिले के यूग्रो कैपिटल बैंक के ब्रांच में सभी बातें बताई गई थी लेकिन बावजूद इसके वहां के वरिष्ठ कर्मचारी को पता होते हुए भी कोई कार्यवाही नहीं की गई उल्टा सपोर्ट किया गया ओर जिसने आवाज उठाई उसे नौकरी से निकालने की धमकी दी गई।

ब्रांच मैनेजर बोले

कटनी जिले के उक्त जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के अधिकारियों एवं एचआर कटनी इनाम फारुखी महोदय से संपर्क किया गया लेकिन उनके द्वारा फोन नहीं उठाया गया जिसके बाद ब्रांच मैनेजर जना बैंक दीपक पाठक से संपर्क किया गया तो उन्होंनें फोन के माध्यम से बताया कि मेरे कार्यकाल में जना बैंक का पूर्व कर्मचारी दिनेश पटेल काम किया करता था उस वक्त मैंने ब्रांच मैनेजर के पद को संभालते हुए 1 माह का समय पूर्ण कर लिया था लेकिन उसके बाद दिनेश पटेल को किसी कारण वश हटा दिया गया और वह वर्तमान में यू ग्रों कैपिटल बैंक में कार्यरत् है,इसके अतिरिक्त मै कुछ नहीं जानता हूं।

इन संस्थानों में हुई धोखाधड़ी की घटनाएं

मीडिया रिर्पोट्स के अनुसार शहर के एक हिंदी अखबार में यह खबर छपती है कि मुत्थूट माइक्रोफिन लिमिटेड के दो कर्मचारियों ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के जरिए लोन माफ कराकर कंपनी को करीब 8 लाख की चपत लगा दी। इस बात का खुलासा होने पर कंपनी प्रबंधन की शिकायत पर गुरुवार को पनागर थाने में दोनों कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी व अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया मया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कंपनी की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया गया कि अंकित मेहरा निवासी गोटेगांव कंपनी में रिलेशनशिप अधिकारी व सिहोरा सिमरिया निवासी संतोष ठाकुर ब्रांच रिलेशनशिप अधिकारी थे और आरोपियों ने 5 लाख 74 हजार 202 रुपए व संतोष ने कागजों पर लोन स्वीकृत किया और कंपनी को 3 लाख 73 हजार 946 रुपए की चपत लगाई।

फर्जी रजिस्ट्री कांड में 100 से ज्यादा चेहरे 'काले'

यह खबर भी एक शहर के एक नामी ग्रामी अखबार में खबर छपी जिसमें बताया गया कि... घर में बैठकर फर्जी रजिस्ट्री तैयार करके बैंकों से लोन लेने वाले गिरोह में संदिग्धों की तादाद 100 से ज्यादा पहुंच गई है। एसटीएफ को इस गिरोह के तार भोपाल और इंदौर तक मिले हैं। इस गैंग को बैंक अफसर ही लीड कर रहे थे और सभी अपने ही बैंक को चूना लगाने की साजिश रच रहे थे,अब तक 6 करोड़ के फर्जी लोन का खुलासा हुआ है और 50 रजिस्ट्रियां जब्त की गयी हैं।

एसटीएफ ने अब तक इस गैंग के मुख्य सदस्यों की गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करोड़ों रुपए की फर्जी रजिस्ट्री सहित आधार कार्ड, पैन कार्ड और सील बरामद की गई हैं। 22 अगस्त को सभी आरोपियों को जोल भेज दिया गया है। एसटीएफ की आगे की जांच जारी है। मामले के मुख्य आरोपी अनुभष दुवे की जमानत याचिका भी खारिज की जा चुकी है।

एलआईसी हाउसिंग फाईंनेस में फर्जी लोन

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार पुलिस ने एलआईसी हाउसिंग फाईंनेस में फर्जी लोन दिलाने वाले रैकेट का पर्दाफाश कर एक महिला सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह फर्जी लोन अफसर व कर्मचारी मिलकर मंजूर करते थे, फिर उसे निकालकर आपस में बांट रहे थे। प्रदेश में एलआईसी हाउसिंग फायनेंस में ऐसा पहला मामला बताया जा रहा है। पुलिस ने एक शिकायत पर जांच शुरू की तो इस तरह फर्जी दस्तावेज पर 86 लाख रुपए के चार लोन मंजूर कर निकाले आने का खुलासा हुआ। इस मामले में पुलिस ने हाउसिंग फायनेंस के डीएसए को गिरफ्तार कर लिया है जबकि मैनेजर फरार है। आरोपी अफसर लोन का फर्जीवाड़ा एक बाहरी युवक के साथ मिलकर करते थे। बाहरी मास्टर माइंड प्रवीण अग्रवाल लोन चाहने वाले लोगों व अच्छी सिबिल रखने वालों का डाटा व फोटो एकत्र कर उनके पते, नाम व फोटो मिक्सअप कर देता था। मास्टर माइंड व उसके साथी के खिलाफ पहले से भी मामले दर्ज हैं,इसी तरह से 3 और अन्य मामलें भी उजागर हुए है जिसमें फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर संस्थानों को लूटा गया और इस बात से संस्थानों के कई बड़े अधिकारी एवं आमजन बेखबर थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ट्रांजिट विजिट पर डुमना आगमन बुधवार को

जबलपुर दैनिक द लुक। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कल बुधवार 4 जून को ट्रांजिट विजिट पर डुमना एयरपोर्ट जबलपुर आयेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव का बुधवार को दोपहर 12.30 बजे भोपाल से वायुयान द्वारा डुमना विमानतल जबलपुर आगमन होगा। मुख्यमंत्री दोपहर 12.35 बजे डुमना एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर द्वारा उमरिया जिले के पाली प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव उमरिया जिले के पाली और मनगवां में आयोजित स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे तथा शाम 5.45 बजे मनगवां से हेलीकॉप्टर द्वारा रीवा केलिये रवाना होंगे। मुख्यमंत्री शाम 6 बजे रीवा विमानतल पहुँचेंगे और दस मिनट बाद वहाँ से वायुयान द्वारा भोपाल रवाना होंगे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मुख्यमंत्री के साथ पाली जायेंगे

जबलपुर दैनिक द लुक। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल बुधवार 4 जून की दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ डुमना एयरपोर्ट जबलपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा उमरिया जिले के पाली प्रस्थान करेंगे। श्री पटेल पाली में मुख्यमंत्री के साथ पैसा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के जागरूकता सम्मेलन में तथा उमरिया जिले के ही मनगवां में महिला स्व-सहायता समूह सशक्तिकरण सम्मेलन एवं विकास कार्यो के वर्चुअल लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में शामिल होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल मनगवां से मुख्यमंत्री के साथ हेलीकॉप्टर द्वारा रीवा और रीवा से शाम 6.10 बजे वायुयान द्वारा भोपाल रवाना होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल का आज मंगलवार 3 जून की रात 11.30 बजे नर्मदापुरम जिले के ग्राम आमादेह से कार द्वारा जबलपुर आगमन होगा।

संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक 11 को

जबलपुर दैनिक द लुक। कर्मचारी-अधिकारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक 11 जून को सुबह 11.30 बजे कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित होगी। बैठक में सभी विभागों के जिला अधिकारियों को निर्धारित एजेंडा से संबंधित संपूर्ण जानकारी सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही कर्मचारी संघों के पदाधिकारियों से भी बैठक में मौजूद रहने का आग्रह किया गया है।

सफाई व्यवस्था में कोताही बर्दास्त नहीं : निगमायुक्त

जबलपुर दैनिक द लुक। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन लाने बेहतर प्रयास किये जा रहे हैं। उनके द्वारा आज स्पष्ट रूप से सभी को हिदायत दी गई कि सफाई के कार्यो में किसी प्रकार को कोई समझौता नहीं किया जायेगा और न ही कोई कोताही बर्दास्त नहीं की जायेगी। संभाग क्रमांक 1,2,3,4 एवं 10,14,15 में सफाई संरक्षकों की स्वीकृत संख्या से कम श्रमिक लगाकर कार्य कराने के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई जिस कारण सफाई समिति के विरूद्ध एक बार फिर से निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव द्वारा जुर्माना लगाया गया है। इसके पहले भी श्रीमती यादव ने इस समिति पर पेनाल्टी लगाने की कार्रवाई की थी। आज की कार्रवाई के संबंध में उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल ने बताया कि संभाग क्रमांक 1,2,3,4 एवं 10,14,15 में समिति के द्वारा स्वीकृत संख्या से कम श्रमिक लगाकर कार्य कराये जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही थी जिसके कारण सफाई कार्य प्रभावित हो रहा था, जिसके कारण समिति के विरूद्ध पेनाल्टी लगाने की कार्रवाई की गयी है। श्री अयाची ने बताया कि निगमायुक्त द्वारा प्रतिदिन शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के साथ-साथ वार्डो में सफाई हेतु उपस्थित सफाई संरक्षकों की उपस्थिति की भी जानकारी ली जा रही है। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने श्री बर्फानी सिक्योरिटी सर्विस नेपियर टाउन जबलपुर के ऊपर 25 लाख 11 हजार 4 सौ 37 रूपये की पेनाल्टी लगाई गयी है। जो माह मई 2025 के देयक से कटौती की जायेगी।

अमानक नम्बर वाले 1 हजार से अधिक वाहन चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही

जबलपुर दैनिक द लुक। प्रायः देखा गया है कि, अपराधियों द्वारा बिना नम्बर /आड़े तिरछे अमानक नम्बर के वाहन का उपयोग कर वारदात की जाती है इसके साथ ही कई लोग वाहनों में जानबूझ कर, शौकिया तौर पर नम्बर नहीं डलवाते है जिसे दृष्टीगत रखते हुये पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) द्वारा समस्त थाना प्रभारी एवं राजपत्रित अधिकारियों को विशेष अभियान के तहत आड़े-तिरछे अमानक नम्बर वाले वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु आदेशित किया गया।

पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) ने संस्कारधानी वासियों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करना नितांत आवश्यक है। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एच.एस.आर.पी.) को वाहनों में लगाना अनिवार्य कर दिया गया है, जिन वाहनों में एच.एस.आर.पी. नम्बर प्लेट नहीं लगा होगा उन्हें संशोधित मोटर वाहन अधिनियम सी.एम.व्ही.आर. 1989 नियम 50 के तहत जुर्माना देना होगा।

एच.एस.आर.पी. नम्बर प्लेट एल्यूमीनियम की बनी होती है इसमे वाहन का 7 अंकों का यूनिक डिजिटल कोड दर्ज होता है, इस कोड के माध्यम से दुर्घटना होने पर वाहन की पूरी जानकारी निकाली जा सकती है। जिन दुपहिया/चार पहिया वाहनों में एच.एस.आर.पी. नम्बर प्लेट नहीं लगी है, एच.एस.आर.पी. नम्बर प्लेट अनिवार्य रूप से लगवायें। शहर एवं देहात के थानों के द्वारा चैकिंग प्वाइंट लगाया जाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध उपरोक्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

निगम कर्मचारियों का कलम बंद आंदोलन स्थगित

जबलपुर दैनिक द लुक। तकनीकी अधिकारी कर्मचारी संघ के संरक्षक मध्य प्रदेश नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव एडवोकेट पंडित राम दुबे जी, कॉरपोरेशन कर्मचारी फैडरेशन के संरक्षक पंडित विजय दुबे पंडित अनुराग पाठक एवं फील्ड वर्कर्स कर्मचारी संघ के संरक्षक के के दुबे मध्य प्रदेश नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय संगठन सचिव कपिल आनंद दुबे नगर निगम

नगर पालिका कर्मचारी संघ जबलपुर जिला अध्यक्ष पंडित अनिल तिवारी जिला सचिव बसंत पांडे इकाई अध्यक्ष हरनारायण पटेल इकाई सचिव मुकेश रजक, रमेश मिश्रा मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) के जिला महामंत्री राकेश समुंद्रे आपके माध्यम से यह बता देना चाहता है कि माननीय महापौर महोदय जी माननीय महापौर परिषद सदस्य डॉक्टर सुभाष तिवारी जी माननीय आयुक्त महोदय जी के साथ स्थापना विभाग के अधीक्षक अपर आयुक्त एवं कर्मचारी गण बैठक में उपस्थित थे और उक्त बिंदुओं पर निराकरण हुआ।

1. 15 दिनों के अंदर समस्त 57 कर्मचारियों को 2003 से समस्त लाभ पदोन्नति, देयकों कि गणना करते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अनुपालन किया जाना सुनिश्चित हुआ जो 4 प्रकरणों पर फैसला आए हैं उन्हें जॉइनिंग कराते हुए जैसे-जैसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले आएंगे वैसे-वैसे जॉइनिंग कराई जाएगी।
2. समस्त 16 संभागों को उनके खोए अधिकार जैसे नया कर निर्धारण और सुधार कार्य किया जाना तथा राजस्व के कर्मचारियों को निर्विघ्न कार्य करने की स्वतंत्रता प्राप्त होगी सभी 16 संभागों में कैशियर का कार्य नगर निगम का नियमित कर्मचारी करेगा एक अधिकारी या कर्मचारी को एक ही प्रभाव दिया जाएगा 11 नंबर जोन के राजस्व निरीक्षक के प्रकरण में पुनः विचार किया जाएगा।
3. स्थापना शाखा को दुरुस्त किया जाएगा।
4. स्थापना शाखा से गुम हुई कर्मचारियों की व्यक्तिगत नस्तियों पर तात्कालिक अधिकारी एवं कर्मचारियों पर आज ही 02.06.2025 को एफ आई आर दर्ज कराई जाएगी ।
5. ऐसे कर्मचारी जो बीमारी ग्रस्त थे मेडिकल बोर्ड से प्रमाणित होने पर उन्हें शीघ्र कार्य पर लिया जाएगा।

अतः संगठन आपके माध्यम से यह बता देना चाहता है कि महापौर महोदय जी माननीय महापौर परिषद सदस्य डॉक्टर सुभाष तिवारी जी माननीय आयुक्त महोदय जी के साथ बैठक अपराध उक्त बिंदुओं पर जी पर आज ही से दिनांक 26 2025 से करवाई किया जाना है आश्वासन प्राप्त हुआ है संगठन के द्वारा दिनांक 3 जून 2025 से कलम बंद आंदोलन को वर्तमान में स्थगित किया जाता है। 15 दिनों के अंदर कार्यवाही न होने पर संगठन पुनः आंदोलन के लिये बाध्य होगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी निगम प्रशासन की स्वयं की होगी।

अजाक्स संघ के पदाधिकारियों ने महापौर को सौंपा गया ज्ञापन

जबलपुर दैनिक द लुक। अजाक्स संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा माननीय महापौर श्री जगत बहादुर सिंह (अन्नू) जी को आज दिनांक को नगर निगम में कार्यरत समस्त सफाई कर्मचारियों को बरसाती एवं छाता प्रदान करने हेतु ज्ञापन सौंपा गया साथ ही साथ अजाक्स संघ के अध्यक्ष द्वारा माननीय महापौर श्री जगत बहादुर सिंह (अन्नू) जी से यह भी मांग की गई कि प्रतिनियुक्ति पर आये अधिकारी कर्मचारी जिनको नगर निगम में कार्यरत 03 वर्ष

पूर्ण हो चुके हैं उन सभी अधिकारी कर्मचारियों को उनके मूल विभाग में स्थानांतरित किया जावे। महापौर जी ने संघ की मांग को स्वीकार करते हुये सफाई कर्मचारियों को बरसात के पूर्व बरसाती एवं छाता जल्द से जल्द प्रदान करने हेतु आष्वासन प्रदान किया।

माननीय महापौर महोदय श्री जगत बहादुर सिंह (अन्नू) जी को ज्ञापन प्रेषित करने हेतु अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा, रामाराव मगरदे, जगदीष नन्हेट, अचैया कोरी, राजेन्द्र पटेल, मन्नूलाल पटेल, गुलशन जबलपुरी, कालूराम सोलंकी, समीम भईजान, श्रीनिवासलू, सामियल, दयाराम धुर्वे, कोयरी नायडू, रामू, जे. प्रवीण, महेन्द्र मलिक, सोनू श्रीवास, राममूर्ति, राहुल कोरी, सुनील सिगोटिया सहित अधिक संख्या में संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गौर नदी में बह रहा डेरियों का गंदा पानी

जबलपुर दैनिक द लुक। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के गौर-सालीवाडा की जीवनदायिनी गौर नदी आज खुद ज़हर का घूंट पीने पर मजबूर है। कभी गांव की शान रही यह नदी, अब प्रदूषण का पर्याय बन चुकी है। गौर सालीवाडा से सटी गौर नदी का पानी अब न पीने योग्य है और न ही नहाने लायक। नदी में बह रहा डेरियों का गंदा पानी ग्रामवासियों के लिए चिंता का बड़ा कारण बन गया है। ग्राम पंचायत सालीवाडा के सरपंच सौरभ राय 'शेंकी' ने इस गंभीर मुद्दे पर खुलकर आवाज़ उठाई है।

सरपंच श्री सौरभ राय ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि मुन्ना डेरी, जनता डेरी, से सीधे गौर नदी में भैंस का गोबर, मूत्र युक्त गंदा पानी, बदबूदार पानी, बहाया जा रहा है, गौर नदी, नर्मदा नदी की सहायक नदी भी है और सीधे यह नदी नर्मदा नदी से मिलती है। जिससे नर्मदा नदी को भी खतरा है। वहीं सरपंच श्री सौरव राय शेंकी ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि जल्द ही हम सालीवाडा के ग्रामीणों के साथ कलेक्टर को एक ज्ञापन देने जा रहे है। वहीं हमारे कैमरे ने जब गौर नदी का हाल देखा, तो सच्चाई चौंकाने वाली थी। नदी का पानी गंदा, बदबूदार और कीचड़ से भरा हुआ है। आसपास के लोग अब नदी से दूरी बनाने लगे हैं, क्योंकि ये पानी अब बीमारियों की वजह बन सकता है। नदी में गंदा पानी बहने से सिर्फ पानी ही नहीं, बल्कि पूरे पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है।

इससे खेती भी प्रभावित हो रही है और पीने के पानी की समस्या और गहराने लगी है। ग्राम पंचायत ने कई बार संबंधित विभागों से इस विषय में शिकायत की है, लेकिन अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द सीवेज ट्रीटमेंट की व्यवस्था हो और नदी को स्वच्छ किया जाए। पानी इतना खराब हो गया है कि अब बच्चों को नदी के पास नहीं जाने देते। पहले यहीं नहाते थे, अब डर लगता है। गौर नदी को बचाना अब वक्त की ज़रूरत है। प्रशासन की उदासीनता अगर यूं ही बनी रही, तो यह नदी इतिहास बनकर रह जाएगी।

स्वात्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुरेश मिश्रा द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बायपास रोड भोपाल से मुद्रित तथा बी-191, मानस भवन एमपी नगर जोन-1 से प्रकाशित। **संपादक सुरेश मिश्रा**, **Email:- lookpaper2012@gmail.com**
(सभी न्यायलीन विवादों के लिए भोपाल मान्य होगा।) मो. 9407337779, जबलपुर आफिस- 9826867779 (फेक्स) पी.आई. वी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये संपादक जिम्मेदार नहीं है। **RNI-MPHIN/2012/49526**